राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 18 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-58 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वक्फ बोर्ड में नियुक्ति और संपत्ति बदलाव पर रोक, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जवाब के लिए दिए 7 दिन

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं को बड़ी राहत दे दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करे, और तब तक वक्फ बोर्ड में कोई नई नियुक्ति नहीं होगी और न ही वक्फ बाय यूजर संपत्तियों में किसी प्रकार का कोई बदलाव ही किया जाएगा। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से स्टे न देने की अपील करते हुए जवाब दाखिल करने के लिए 7 दिन का समय मांगा, जिसे पीठ ने मंजूर कर लिया।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने स्पष्ट किया कि अंतरिम रूप से यथास्थिति बनी रहेगी, जिससे किसी पक्ष के अधिकारों को नुकसान न हो। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि धारा 9 और 14 के अंतर्गत परिषद और वक्फ बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं होगी। साथ ही वक्फ बाय यूजर के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों को डिनोटिफाई या परिवर्तित नहीं किया जाएगा।

वक्फ संबंधी मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में दूसरे दिन दोपहर दो बजे शुरू

हुई। सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता 05 दिनों के भीतर केंद्र के जवाब पर जवाब दाखिल कर सकते हैं, जिसके बाद मामले को अंतरिम आदेश के लिए सूचीबद्ध किया जा सकेगा। यहां एसजी तुषार मेहता ने स्टे नहीं लगाने का आग्रह हुए करते कोर्ट से कहा, ऐसा करके आप एक कठोर कदम उठाएंगे। हफ्तेभर का मुझे समय दे दें, ताकि जवाब दाखिल किया जा सके और दिखाया जा सके कि यह सब कैसे हुआ। एसजी तुषार की दलील पर सीजेआई ने कहा, कुछ कमजोरियां थीं तो वहीं कुछ सकारात्मक चीजें भी हैं। ऐसे में हम नहीं चाहते कि स्थिति बदले...। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, केंद्र 7 दिनों के भीतर जवाब देना चाह रहा है। इसी के साथ उन्होंने अदालत को आश्वस्त करते हुए कहा, कि धारा 9 और 14 के तहत परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले की सुनवाई की अगली तारीख तक वक्फ जिसमें पहले से रजिस्टर्ड या नोटिफिकेशन के जरिए से घोषित वक्फ बाय यूजर शामिल है, को न तो डिनोटिफाई किया जा सकेगा और न ही उसमें कलेक्टर ही कोई बदलाव कर सकेगा। सुप्रीम कोर्ट की त्रिपल बेंच ने एसजी के इस बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए अंतरिम आदेश जारी कर सरकार को 7 दिन में जवाब देने को कह दिया।

इससे पहले, बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान केंद्र से पूछा कि क्या मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति दी जाएगी। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि वक्फ बाय यूजर को कैसे अस्वीकृत किया जा सकता है, क्योंकि कई लोगों के पास ऐसे वक्फों को पंजीकृत कराने के लिए अपेक्षित दस्तावेज नहीं होंगे।

इससे पहले वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ दायर 70 से अधिक याचिकाओं की सुनवाई करते हुए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से सवाल किया था कि क्या मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की इजाजत दी जाएगी? जबकि वक्फ (संशोधन) कानून गैर मुसलमानों को वक्फ में नियुक्ती प्रदान करने का अधिकार देता है। अदालत ने यह भी पूछा कि वक्फ बाय यूजर की अवधारणा को कैसे लागू किया जा सकता है, जबकि अधिकांश लोगों के पास ऐसे वक्फ को वैध ठहराने के लिए दस्तावेज नहीं होंगे।

दाऊदी बोहरा समुदाय ने पीएम मोदी से की मुलाकात, वक्फ कानून को बताया ऐतिहासिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दाऊदी बोहरा समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने आज प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और वक्फ संशोधन अधिनियम के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह समुदाय की लंबे समय से लंबित मांग थी। दाऊदी बोहरा समुदाय ने आगे प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के विजन पर भी विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि वे इस सोच के साथ खुद को जुड़ा हुआ महसूस करते हैं। बता दें कि दाऊदी बोहरा समुदाय के प्रतिनिधिमंडल की पीएम मोदी के साथ मुलाकात के दौरान केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी मौजूद रहे।

बोहरा मुसलमान- बोहराओं ने अपना नाम गुजराती शब्द 'वाहौरौ' से लिया है, जिसका अर्थ है 'व्यापार करना'। एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार 'बोहराओं में शिया के अलावा, अक्सर व्यापारी वर्ग, सुन्नी अल्पसंख्यक शामिल होते हैं जो आमतौर पर किसान होते हैं। मुस्तली संप्रदाय जो मिस्र में उत्पन्न हुआ और बाद में यमन में अपना धार्मिक केंद्र स्थानांतरित कर दिया, 11 वीं शताब्दी के मिशनरियों के माध्यम से भारत में पैर जमा लिया। 1539 के बाद, जिस समय तक भारतीय समुदाय काफी बड़ा हो गया था, संप्रदाय की सीट यमन से सिद्धपुर (गुजरात का पाटन जिला), भारत में स्थानांतरित कर दी गई थी। सुन्नी बोहरा हनफी इस्लामिक लॉ का पालन करते हैं। हालांकि, शियाओं के दाऊदी बोहरा समुदाय से वो बहुत अलग नहीं हैं।

जाति जनगणना रिपोर्ट पर कर्नाटक सरकार चर्चा करेगी और फैसला लेगी खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कहा कि कर्नाटक सरकार सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट पर मंत्रिमंडल में विचार-विमर्श करेगी और उचित फैसला करेगी।

सामाजिक-आर्थिक और शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट को जाति जनगणना नाम से भी जाना जाता है। खड़गे ने रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि उन्होंने इसे नहीं देखा है। खड़गे ने कहा कि यह राज्य सरकार पर छोड़ दिया गया है, हर राज्य अपना काम करता है। केंद्र सरकार ने ऐसा नहीं किया। राज्य सरकार मंत्रिमंडल में चर्चा करेगी और फैसला लेगी। मैंने रिपोर्ट नहीं देखी है। मामला राज्य सरकार पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने रिपोर्ट के विरोध के बारे में कहा कि विरोध हो सकता है। मैंने अपनी राय साझा की है। जाति जनगणना पर विरोध के बीच सीएम सिद्धरमैया की अगुवाई में कर्नाटक सरकार की एक विशेष बैठक गुरुवार को बुलाई गई है। कर्नाटक के दो प्रमुख समुदायों वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों सहित कई और समुदायों के लोगों ने इस जाति जनगणना को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है और इसे अव्यवस्थित करार दिया है। समुदायों ने इस सर्वेक्षण को खारिज कर नया सर्वेक्षण कराने की मांग की है। समाज के कई वर्गों द्वारा जाति जनगणना सर्वेक्षण पर आपत्ति जताई गई है और सत्तारूढ़ कांग्रेस के अंदर भी इसके खिलाफ जोरदार आवाजें उठ रही हैं।

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला, सुप्रीम कोर्ट से राहत, कहा

-जिनका नाम स्कैम में नहीं, नई प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ाएं

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को करीब 26,000 बर्खास्त शिक्षकों को राहत दी है। कोर्ट ने कहा- जिन शिक्षकों की नियुक्ति रद्द हुई है, वे नई चयन प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ाना जारी रख सकते हैं। हालांकि, उनका नाम 2016 के घोटाले मामले में नहीं आया हो। कोर्ट ने कहा- हम नहीं चाहते कि बच्चों की पढ़ाई कोर्ट के फैसले से बाधित हो। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा- बंगाल स्कूल सर्विस कमीशन को 31 मई तक भर्ती प्रक्रिया का नोटिफिकेशन जारी करना होगा। 31 दिसंबर तक चयन प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। बंगाल सरकार और स्स्ष्ट को 31 मई तक भर्ती का विज्ञापन जारी कर उसका पूरा शेड्यूल कोर्ट को सौंपना होगा। अगर तय समय में प्रक्रिया पूरी नहीं हुई तो कोर्ट उचित कार्रवाई और जुर्माना लगाएगा। हालांकि, ग्रुप सी और ग्रुप डी के नॉन टीचिंग स्टाफ के कर्मचारियों को राहत नहीं मिल है। कोर्ट ने कहा- इनमें से ज्यादातर कर्मचारियों पर आरोप सिद्ध हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 3 अप्रैल को कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। हाईकोर्ट ने 2016 की भर्ती के 25,753 टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टाफ की नियुक्ति को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया था।

तीसरे दिन भी ईडी के दफ्तर पहुंचे रॉबर्ट वाड्रा, प्रियंका गांधी भी दिखीं साथ

-लगातार दो दिनों में 11 घंटे की लंबी पूछ-ताछ

नई दिल्ली। रॉबर्ट वाड्रा तीसरे दिन गुरुवार को भी ईडी के दफ्तर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ उनकी पत्नी और वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी नजर आईं। ईडी ने समन भेजकर वाड्रा को पूछताछ के लिए कार्यालय बुलाया था, इसके चलते मंगलवार को वो ईडी के दफ्तर पहुंचे थे, जहां उनसे 5 घंटे पूछताछ की गई थी, इसके बाद बुधवार को भी वाड्रा ईडी दफ्तर पहुंचे थे, जहां उनसे 6 घंटे तक पूछताछ हुई और अब तीसरे दिन गुरुवार को फिर वाड्रा ईडी के समक्ष पेश हुए। हरियाणा के शिकोपुर लैंड मामले में प्रवर्तन निदेशालय की जांच का सामना कर रहे रॉबर्ट वाड्रा गुरुवार को लगातार तीसरे दिन ईडी दफ्तर पहुंचे। इस दौरान उनकी पत्नी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी उनके साथ मौजूद रहीं। वाड्रा से ईडी द्वारा बुधवार को करीब 6 घंटे और मंगलवार को साढ़े 5 घंटे पूछताछ की गई थी। अब तक कुल मिलाकर 11 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की जा चुकी है। यह मामला वर्ष 2008 में गुरुग्राम के मानेसर-शिकोहपुर इलाके में खरीदी गई जमीन से जुड़ा बताया गया है, जिसे कथित तौर पर वाड्रा की कंपनी स्काइलाइट हॉस्पिटलिटी ने 7.5 करोड़ रुपये में खरीदा और 2012 में डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेचा जाना दृष्टव्य है। इस सौदे से कंपनी को लगभग 50 करोड़ रुपये का लाभ हुआ। इस लेन-देन पर विवाद तब खड़ा हुआ जब वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने इस जमीन के म्यूटेशन को रद्द कर दिया और इसे राज्य के समेकन अधिनियम का उल्लंघन बताया। बहरहाल ईडी की लगातार पूछताछ के बीच रॉबर्ट वाड्रा खुद को निर्दोष बता चुके हैं। उनका कहना था कि उन्होंने 2019 में ही हर सवाल का जवाब दे चुके हैं। इस दौरान वाड्रा ने केंद्र सरकार पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप भी लगाया है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ की सुप्रीम कोर्ट को सलाह, राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकती

-अनुच्छेद 142 के तहत मिले अधिकार न्यूक्लियर मिसाइल बन गए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट की उस सलाह पर आपत्ति जाहिर की, जिसमें शीर्ष अदालत ने राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समय सीमा तय की थी। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 के तहत मिले कोर्ट को विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24 घंटे, सातों दिन उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को तमिलनाडु गवर्नर बनाम राज्य सरकार मामले में गवर्नर के अधिकार की 'सीमा' तय कर दी थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन ने कहा था, 'राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोकने को अवैध बताया।

राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित कर धनखड़ ने कहा, हमारे पास इसतरह के न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में भी कार्य करेंगे। उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार सबसे अहम होती है और सभी संस्थाओं को अपनी-अपनी सीमाओं में रहना चाहिए। कोई भी संस्था संविधान से ऊपर नहीं है।

उन्होंने कहा कि जस्टिस वर्मा के घर अधजली नकदी मिलने के मामले में अब तक एफआईआर क्यों नहीं हुई? क्या कुछ लोग इस देश में कानून से ऊपर हैं। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने तीन जजों की इन-हाउस कमेटी बनाई है। इसका कोई संवैधानिक आधार नहीं है। कमेटी सिर्फ सिफारिश दे सकती है, लेकिन कार्रवाई का अधिकार संसद के पास है।

अगर ये मामला किसी आम आदमी के घर होता, तब अब तक पुलिस और जांच एजेंसियां सक्रिय हो चुकी होती न्यायपालिका हमेशा सम्मान की प्रतीक रही है, लेकिन इस मामले में देरी से लोग असमंजस में हैं।

नीमच - अमित शाह ने सीआरपीएफ परेड में लिया हिस्सा, मंच से बोले

31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा, मुझे अपने जवानों पर पूरा भरोसा

नीमच (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और सीआरपीएफ इसमें अहम भूमिका निभाएंगे। वे मध्यप्रदेश के नीमच जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 86वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का खात्मा होगा और सीएपीएफ तथा सीआरपीएफ, खासकर इसकी कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) इकाई इसमें अहम भूमिका निभाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने नीमच में 86वें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल दिवस

समारोह में परेड दल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि देश के किसी भी हिस्से में अशांति होती है, तब गृहमंत्री के नाते जब मुझे पता चलता है कि वहां सीआरपीएफ के जवान हैं, तब मुझे बहुत सुकून मिलता है, मैं अपने दूसरे काम भी करता हूं, क्योंकि भरोसा है कि अगर सीआरपीएफ के जवान हैं, तब जीत निश्चित है। चाहे कश्मीर घाटी में आतंकवादियों से लड़ना हो या पूर्वोत्तर में शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी हो, और सबसे महत्वपूर्ण नक्सलवादियों को सिर्फ चार जिलों तक सीमित करना हो, इन सभी चीजों में सीआरपीएफ के जवानों का बड़ा रोल है।

इसके पहले केंद्रीय मंत्री शाह ने सीआरपीएफ के शहीद वीरों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कार्यक्रम सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा है। सीआरपीएफ दिवस हर साल 19 मार्च को मनाया जाता है, क्योंकि 1950 में इसी दिन तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने बल को ध्वज सौंपा था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस साल विस्तारित समारोह के हिस्से के रूप में 17 अप्रैल को परेड आयोजित की गई।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अपने नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन करना चाहिए: भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने दावा किया कि नेशनल हेराल्ड मामला ''धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार एवं धन शोधन का एक स्पष्ट मामला है'' और राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाने के लिए कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सरकार द्वारा परमार्थ उपयोग के लिए नेशनल हेराल्ड को दी गई संपत्तियों का निजी लाभ के लिए इस्तेमाल करने के कारण अपने नेताओं के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करना चाहिए।

पुरी ने कांग्रेस के इस आरोप को खारिज कर दिया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार विपक्षी दल के नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कांग्रेस को आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''नेता अपने ही कार्यकर्ताओं को गुमराह कर रहे हैं। अगर उन्हें विरोध करना है, तो उन्हें अपने नेतृत्व के खिलाफ विरोध करना चाहिए।'' सोनिया गांधी और राहुल गांधी, दोनों के पास यंग इंडियन में 76 प्रतिशत हिस्सेदारी होने के तथ्य की ओर ध्यान दिलाते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी ने 50 लाख रुपये की मामूली राशि के लिए एसोसिएटेड जर्नल्स के 99 प्रतिशत शेयर हस्तांतरित कर दिए। नेशनल हेराल्ड का स्वामित्व एसोसिएटेड जर्नल्स के पास है। पुरी ने कहा कि एसोसिएटेड जर्नल्स के पास 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। उन्होंने आरोप लगाया, ''यह धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार एवं धन शोधन का एक स्पष्ट मामला है।'' पुरी ने कहा कि यह मामला उस समय का है जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार सत्ता में थी।

तत्कालीन मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने दावा किया था कि सार्वजनिक धन का निजी इस्तेमाल के लिये यंग इंडियन की स्थापना की गयी थी। एक उदाहरण देते हुए भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस से संबद्ध अखबार को 1963 में प्रेस और कार्यालय चलाने के लिए बहादुर शाह जफर मार्ग पर 0.3365 एकड़ जमीन 1.25 लाख रुपये प्रति एकड़ की रियायती दर पर आवंटित की गई थी।

चीन को तैयारियां करने में लगेगा समय, इस साल देर से शुरु हो सकती कैलाश मानसरोवर यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक यह कदम वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 4 साल से अधिक समय तक चले तनाव के बाद दोनों देशों के रिश्तों को सामान्य करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह मानसरोवर यात्रा 2020 से बंद थी। अब जल्द ही यात्रा के शुरू होने की संभावना है। इससे लाखों श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक कैलाश मानसरोवर यात्रा चीन के तिब्बत क्षेत्र में स्थित पवित्र कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक होती है। यह यात्रा हिंदू, जैन और बौद्ध धर्म के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह यात्रा 2020 में कोरोना महामारी के कारण रुकी थी और बाद में एलएसी पर भारत-चीन के बीच तनाव के चलते शुरु नहीं हो सकी। लेकिन अब दोनों

देश यात्रा को फिर से शुरू करने के लिए गंभीरता से बात कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि बीते साल अक्टूबर में डेमचोक और देपसांग में सैनिकों की वापसी पर सहमति के बाद दोनों देशों ने भरोसे को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं। बीते साल रूस के कजान शहर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद दोनों देशों ने सीमा विवाद और रिश्तों को बेहतर करने के लिए कई तंत्रों को फिर से शुरू करने का फैसला किया।

हालांकि, इस साल यात्रा सामान्य समय से थोड़ा देर से शुरू हो सकती है और देर तक चल सकती है। बताया जा रहा हैं कि चीनी पक्ष को यात्रा के लिए सुविधाओं को तैयार करने के लिए थोड़ा समय चाहिए, क्योंकि ये सुविधाएं बीते पांच साल से उपयोग में नहीं थीं। जल्द ही यात्रा के शुरू होने की आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। भारतीय अधिकारियों ने मामले पर अभी कोई बयान नहीं दिया है। कैलाश मानसरोवर यात्रा का आयोजन विदेश मंत्रालय द्वारा जून से सितंबर के बीच किया जाता है। यह यात्रा उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे और सिक्किम के नाथु ला दर्रे से होती है। यह यात्रा बेहद कठिन है, क्योंकि श्रद्धालुओं को 19,500 फीट की ऊंचाई पर कठिन मौसम और उबड़-खाबड़ रास्तों से गुजरना होता है। फिर भी, हर साल हजारों श्रद्धालु इस पवित्र यात्रा के लिए तैयार रहते हैं।

मौसम ने बरसाया 35 मिनट कहर: ओले, बाढ़ और आंधी ने उजाड़ा इस्लामाबाद

इस्लामबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद और खैबर पख्तूनख्वा में बुधवार को अचानक आई भयानक ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई। 35 मिनट की आंधी और ओले ने इस्लामाबाद को तहस-नहस कर दिया। गाड़ियों के शीशे चकनाचूर, सोलर पैनल बर्बाद, पेड़ उखड़ गए और कई इलाकों में बाढ़ ने कोहराम मचा दिया। अचानक हुई बारिश के कारण निचले इलाकों में बाढ़ आ गई, जिससे सड़कें और घर डूब गए। तारनोल इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित रहा जहां उखड़े पेड़ों ने रास्ते बंद कर दिए। इस बारिश ने गर्मी से राहत दी, लेकिन कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। डिप्टी कमिश्नर ऑफिस ने कहा, हमारी टीमें सड़कों पर हैं, पानी निकासी का काम जारी है। नुकसान का आकलन हो रहा है। ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर यातायात बहाल किया जा रहा है।

अप्रैल में जहां दक्षिणी पंजाब, सिंध और बलूचिस्तान में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच गया, वहीं इस्लामाबाद में यह बारिश कुछ राहत लेकर आई। लेकिन यह राहत महंगी साबित हुई। पाकिस्तान मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि आज से 20 अप्रैल तक इस्लामाबाद, रावलपिंडी और अन्य उत्तरी इलाकों में बारिश, आंधी और तूफान का दौर जारी रहेगा। खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, मरी और आसपास के पहाड़ी इलाकों में आग का खतरा बढ़ेगा। मई-जून में अरब सागर में चक्रवात बन सकते हैं, जो तटीय इलाकों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।यह कोई साधारण बारिश नहीं थी, बल्कि सीधे तौर पर प्रकृति का गुस्सा था, जो जलवायु परिवर्तन की चेतावनी दे रहा है। इस्लामाबाद में अचानक तेज हवाओं के साथ बारिश हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नयी विश्व संरचना में विरासत एवं विकास का समन्वय अपेक्षित

(लेखक- ललित गर्ग)

(विश्व विरासत दिवस- 18 अप्रैल, 2025)

> यूनेस्को के महासम्मेलन में इसके अनुमोदन के पश्चात विश्व धरोहर दिवस के रूप में मनाने के लिए घोषणा की गई। हर साल धरोहर दिवस की एक खास थीम होती है। साल 2024 में विश्व विरासत दिवस की थीम विविधता की खोज और अनुभव थी। वहीं इस साल थीम है आपदाओं और संघर्षों से खतरे में पड़ी विरासत: आईसीओएमएस की 60 वर्षों की कार्रवाइयों से तैयारी और सीख। यह थीम गौरवशाली अतीत में विश्व संस्कृतियों की सुंदरता को बढ़ाने एवं संरक्षित के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

विश्व धरोहर दिवस अथवा विश्व विरासत दिवस मानव सभ्यता के इतिहास और विरासत को एक साथ सम्मान देने एवं ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षित करने के लिए हर साल 18 अप्रैल को मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक परिदृश्यों और संरचनाओं का जश्न मनाना और उन पर ध्यान आकर्षित करना है, जो व्यक्तियों, समुदायों और राष्ट्रों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की पहल पर एक अंतर्राष्ट्रीय संधि की गई जो विश्व के सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। यह संधि सन् 1972 में लागू की गई। प्रारंभ में मुख्यत: तीन श्रेणियों में धरोहर स्थलों को शामिल किया गया। पहले वह धरोहर स्थल जो प्राकृतिक रूप से संबद्ध हो अर्थात प्राकृतिक धरोहर स्थल, दूसरे सांस्कृतिक धरोहर स्थल और तीसरे मिश्रित धरोहर स्थल। वर्ष 1982 में इकोमार्क नामक संस्था के ट्यूनिशिया में अंतर्राष्ट्रीय स्मारक और स्थल दिवस में यह बात उठी कि विश्व भर में विरासत दिवस का आयोजन किया जाना चाहिए। यूनेस्को के महासम्मेलन में इसके अनुमोदन के पश्चात विश्व धरोहर दिवस के रूप में मनाने के लिए घोषणा की गई। हर साल धरोहर दिवस की एक खास थीम होती है। साल 2024 में विश्व विरासत दिवस की थीम विविधता की खोज और अनुभव थी। वहीं इस साल थीम है आपदाओं और संघर्षों से खतरे में पड़ी विरासत: आईसीओएमएस की 60 वर्षों की कार्रवाइयों से तैयारी और सीख। यह थीम गौरवशाली अतीत में विश्व संस्कृतियों की सुंदरता को बढ़ाने एवं संरक्षित के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

दुनिया के तमाम देशों में कई सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरें हैं, जिन्हें यूनेस्को ने विश्व विरासत घोषित किया है। इनमें से आठ ऐसी विश्व धरोहर हैं जो पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा प्रसिद्ध और लोकप्रिय हैं। जिनमें मिस्र में मौजूद गीज़ा का 'ग्रेट पिरामिड' आज भी रहस्य बना हुआ है। 481 फीट ऊंचा यह पिरामिड विश्व के आठ प्राचीन अजूबों में शामिल है और माना जाता है कि इसे चांद से भी देखा जा सकता है। माचू पिच्चू, पेरू यह ऐतिहासिक स्थल पेरू की पहाड़ियों पर बसा है और रहस्यमयी और खूबसूरत माचू पिच्चू को 'इंकाओं का खोया हुआ शहर' भी कहा जाता है। चीन की महान दीवार दुनिया की सबसे लंबी दीवार है, जिसकी लंबाई करीब 21,196 किलोमीटर है। यह दीवार कई राजाओं और साम्राज्यों द्वारा रक्षा के लिए बनाई गई थी। आगरा का ताजमहल मोहब्बत एवं प्रेम की सबसे खूबसूरत मिसाल है। इसे शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज की याद में बनवाया था। यह सफेद संगमरमर की इमारत भारत की सबसे मशहूर धरोहरों में से एक है। क्राइस्ट द रिडीमर, ब्राजील रियो डी जेनेरियो में स्थित यीशु की यह विशाल प्रतिमा 30 मीटर ऊंची है। यह प्रतिमा न सिर्फ धार्मिक प्रतीक है, बल्कि शहर का प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। पेट्रा, जॉर्डन रेगिस्तान के बीच स्थित पेट्रा शहर अपनी अनोखी लाल पत्थर की इमारतों और मंदिरों के लिए जाना जाता है। इसकी वास्तुकला और नक्काशी पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। कोलोसियम, रोम (इटली) प्राचीन रोम के सम्राटों द्वारा बनवाया गया यह विशाल अखाड़ा कभी ग्लैडिएटरों की लड़ाई का गवाह था। यह आज भी रोम की पहचान बना हुआ है और विश्व धरोहर सूची में शामिल है। चिचेन इट्जा, मेक्सिको यह माया सभ्यता का प्रमुख धार्मिक स्थल रहा है। यहां बना 'एल कैस्टिलो' पिरामिड देखने लायक है। चिचेन इट्जा को मेक्सिको का सबसे संरक्षित पुरातात्विक स्थल माना जाता है।

भारत में ऐतिहासिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से समृद्ध है। भारत में 43 यूनेस्को आधारित विश्व धरोहर स्थल हैं। इनमें से 35 सांस्कृतिक हैं, सात प्राकृतिक हैं और कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान एक मिश्रित स्थल है। 62 अन्य संभावित सूची में हैं, यहाँ ऐतिहासिक स्थलों का खजाना है जो इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है। 2024 में, असम से चराइदेव मोइदम विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाली नवीनतम भारतीय प्रविष्टि बन गई। अहोम राजघरानों के दफ़न टीलों में गुंबददार कक्ष हैं, जो अक्सर दो-मंजिला होते हैं और जहां मेहराबदार मार्गों से पहुँचा जा सकता है। इन कक्षों में, मृतक को उनके सामान, जिसमें कपड़े और आभूषण, हथियार, फर्नीचर और दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं के साथ सुरक्षित रखा गया है।

विश्व विरासत दिवस सिर्फ हमारे जीवन में खुशियों के पलों को लाने में ही मदद नहीं करता बल्कि यह देश के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का माध्यम भी है। यह पर्यटन को प्रोत्साहन देने का सशक्त माध्यम है। भारत की अर्थव्यवस्था पर्यटन-उद्योग के इर्द-गिर्द घूमती रही है। भारत की विरासत विश्व में सबसे प्राचीन और समृद्ध विरासतों में से एक मानी जाती है। हज़ारों वर्षों से यह भूमि सांस्कृतिक, धार्मिक, प्राकृतिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अनेक महान परिवर्तनों एवं प्रगतियों की साक्षी रही है। भारतीय संस्कृति का इतिहास अत्यंत विविधतापूर्ण और बहुआयामी है, जिसने न केवल भारत बल्कि समग्र मानवता को गहराई से प्रभावित किया है। भारत की विकास यात्रा का इतिहास रोमांचक और प्रेरणादायक रहा है। स्वतंत्रता के बाद देश को एक ऐसे रास्ते पर चलना था जहाँ उसे पुनर्निर्माण के साथ-साथ आधुनिकता की ओर कदम बढ़ाना था। वर्तमान में भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक एवं प्रौद्योगिकीय शक्तियों में से एक है, लेकिन यह यात्रा आसान नहीं थी। स्वतंत्रता के बाद भारत को न केवल अपने सामाजिक और आर्थिक ढाँचे को पुनर्स्थापित करना था, बल्कि उसे एक ऐसे लोकतांत्रिक देश का निर्माण करना था जो अपने नागरिकों को समान अवसर और अधिकार प्रदान कर सके। इस वर्ष गणतंत्र दिवस की थीम 'स्वर्णिम भारत- विकास के साथ विरासत' है। यह थीम देश की विरासत को संभालते हुए भारत की प्रगति की यात्रा को दर्शाती है। भारत अपनी सुंदरता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है।

राजस्थान भारत का एक राज्य है जो विश्व विरासत का समृद्ध केन्द्र है, यह पर्यटन के लिए सबसे समृद्ध राज्य माना जाता है। राजस्थान की पुरातात्विक विरासत या सांस्कृतिक धरोहर केवल दार्शनिक, धार्मिक, सांस्कृतिक स्थल के लिए नहीं है बल्कि यह राजस्व प्राप्ति का भी स्रोत है। यूं तो भारत के सभी राज्यों में समृद्ध विरासत देखने को मिलती है। पर्यटन क्षेत्रों से कई लोगों की रोजी-रोटी भी जुड़ी है। प्राकृतिक सुंदरता और महान इतिहास से संपन्न राजस्थान में पर्यटन उद्योग समृद्धिशाली है। राजस्थान देशीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, दोनों के लिए एक सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थल है। भारत की सैर करने वाला हर तीसरा विदेशी सैलानी राजस्थान देखने ज़रूर आता है। जयपुर के महल, उदयपुर की झीलें और जोधपुर, बीकानेर तथा जैसलमेर के भव्य दुर्ग भारतीय और विदेशी सैलानियों के लिए सबसे पसंदीदा जगहों में से एक हैं। इन प्रसिद्ध विरासत स्थलों को देखने के लिए यहाँ हज़ारों पर्यटक आते हैं। जयपुर का हवामहल, जोधपुर, बीकानेर और जैसलमेर के धोरे काफी प्रसिद्ध हैं। जोधपुर का मेहरानगढ़ दुर्ग, सवाई माधोपुर का रणथम्भोर दुर्ग एवं चित्तौड़गढ़ दुर्ग काफी प्रसिद्ध है। यहाँ शेखावटी की कई पुरानी हवेलियाँ भी हैं जो वर्तमान में हैरीटेज होटलें बन चुकी हैं।

विश्व विरासत दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं है, बल्कि चिंतन, कार्रवाई और प्रतिबद्धता का दिन है। इस अवसर का उपयोग सभी के लाभ के लिए अपने सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संरक्षण में योगदान देना है। यह वैश्विक आयोजन सांस्कृतिक धरोहर के प्रति चिंतन करता है और इन अमूल्य खजानों के साथ जुड़ाव को प्रोत्साहित करता है। यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए इन सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक स्थलों को संरक्षित और सुरक्षित रखने के महत्व को पहचानने, दुनिया भर में उनकी सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक महत्व के लिए सराहना को बढ़ावा देने का अवसर है।

संपादकीय

बिजली को झटका

जिस राज्य में उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली दी जा रही हो, वहां बिजली चोरी का चिंताजनक स्थिति तक पहुंच जाना, निश्चित ही गंभीर मसला है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड को यदि वर्ष 2024-25 में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है तो उसकी बड़ी वजह पंजाब में बिजली चोरी का बेहद गंभीर स्थिति को पार कर जाना है। ये नुकसान प्रतिदिन के हिसाब से 5.5 करोड़ रुपये बैठता है। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात तो यह है कि यह नुकसान सिस्टम की विफलता या प्राकृतिक आपदाओं के कारण नहीं हुआ है बल्कि जानबूझ कर सुनियोजित तरीके से की जा रही बिजली चोरी की वजह से हुआ है। राज्य में घाटे में चल रहे लगभग 77 फीसदी फीडर सीमावर्ती और पश्चिमी क्षेत्रों में स्थापित हैं, जिनमें पट्टी, भिखीविंड, अजनाला और जीरा जैसे डिवीजन शामिल हैं, जिनमें से कई संगठित बिजली चोरी के लिए कुख्यात हैं। भूमिगत कुंडी कनेक्शन से लेकर मीटर से छेड़छाड़ और पिलर बॉक्स को निष्क्रिय करके चोरी करना एक आम तरीका बन गया है। आरोप है कि ये चोरी आमतौर पर राजनीतिक व धार्मिक संस्थाओं के संरक्षण में होती है। दरअसल, इस विडंबना को नजरअंदाज करना मुश्किल है कि जबकि लोगों को पहले ही छह सौ यूनिट तक सब्सिडी वाली यानी कि मुफ्त बिजली का लाभ उठाने का मौका मिल रहा है, लेकिन इसके बावजूद बिजली चोरी की प्रवृत्ति कम नहीं हो रही है। दरअसल, पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड का संकट यहीं खत्म नहीं हो जाता। पीएसपीसीएल कुप्रबंधन व व्यवस्थागत संकटों से भी गंभीर रूप से जूझ रहा है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड कर्मचारियों की भारी कमी की चुनौतियों से जूझ रहा है। बिजली विभाग में 4900 से अधिक लाइनमैनों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन फिलहाल केवल 1313 लाइनमैन काम कर रहे हैं। अकेले लुधियाना में ही जूनियर इंजीनियर के आधे पद खाली हैं। बिजली चोरी रोकने तथा बेहतर व्यवस्था के लिये कर्मचारी भर्ती अभियान को गति दी जानी चाहिए। दरअसल, पीएसपीसीएल में पर्याप्त कर्मचारी न होने के कारण विभागीय कार्यक्षमता बुरी तरह से प्रभावित है। जब भी किसी इलाके में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न होता है तो तत्काल कार्रवाई बिजली बहाल करने के लिये नहीं हो पाती। फलत- लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती है। विभाग में पक्के मुलाजिमों की नियुक्ति न होने पर कम वेतन पाने वाले संविदा कर्मचारियों के जरिये व्यवस्था बनाने की कोशिश होती है। जिसके चलते संविदा कर्मचारियों द्वारा अकसर आंदोलन किया जाता है। वे खुद को पक्का करने की मांग करते रहते हैं। उनका आरोप होता है कि कम वेतन देकर उनसे ज्यादा काम कराया जाता है। जानकार मानते हैं कि सिर्फ संविदा कर्मचारियों पर अत्याधिक निर्भरता केवल तदर्थवाद को ही बढ़ाएगी। हालांकि, नियामक आयोग ने इस गड़बड़ी को भी चिन्हित किया है। लेकिन इससे ही समस्या का समाधान संभव नहीं है, संकट के निराकरण को गंभीर प्रयासों की जरूरत महसूस की जा रही है। इस समस्या का व्यापक स्तर पर समाधान तभी संभव है जब राज्य के नेतृत्व द्वारा इच्छा-शक्ति को दर्शाया जाएगा।

डिग्री नहीं, दक्षता चाहिए- नई अर्थव्यवस्था की नई ज़रूरतें

(लेखक-- डॉ. सत्यवान सौरभ)

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या वाला देश है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश एक वरदान बन सकता है—यदि हम इसे कुशलता, योग्यता और आधुनिक ज़रूरतों के मुताबिक तैयार करें। परंतु अफसोस, हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक गहरे संकट से जूझ रही है। विश्वविद्यालयों में जो पढ़ाया जा रहा है और उद्योगों को जो चाहिए—इन दोनों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। यह खाई केवल छात्रों की रोजगार क्षमता को ही नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को भी गंभीर रूप से बाधित कर रही है।

रोज़गार की हकीकत और शिक्षा की असंगति

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत में केवल 45.9ब्र स्नातक ही रोजगार के योग्य पाए गए। इसका अर्थ यह है कि हर दो में से एक छात्र, जिसने उच्च शिक्षा प्राप्त की है, वह नौकरी के लायक कौशलों से लैस नहीं है। तकनीकी संस्थानों की स्थिति भी निराशाजनक है। नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, केवल 25ब्र इंजीनियरिंग स्नातक ही आईटी सेक्टर में कार्य के लिए उपयुक्त पाए गए। यह स्थिति न केवल शिक्षा प्रणाली की विफलता है, बल्कि देश के करोड़ों युवाओं के सपनों के टूटने की त्रासदी भी है। इस समस्या की जड़ है — सैद्धांतिक और अकादमिक दृष्टिकोण वाली शिक्षा प्रणाली, जो व्यावहारिक दुनिया की ज़रूरतों से कटी हुई है। विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम दशकों पुराना है, जो आज के डेटा-संचालित, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-प्रेरित, नवाचार-प्रधान उद्योग की ज़रूरतों से मेल नहीं खाता।

बदलते उद्योग, अपरिवर्तित पाठ्यक्रम

आज की नौकरियाँ पहले जैसी नहीं रहीं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहे हैं। लेकिन इन उभरते क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों में ज़रूरी बदलाव नहीं हो पा रहा है। उदाहरणस्वरूप, द्बद्बञ्ज हैदराबाद ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बी.टेक प्रोग्राम शुरू किया है — यह एक दूरदर्शी कदम है। लेकिन अधिकांश विश्वविद्यालय अब भी पुरानी पाठ्य पुस्तकों और व्याख्यानों पर निर्भर हैं। यह स्थिति केवल तकनीकी पाठ्यक्रमों की नहीं है। वाणिज्य, मानविकी, समाजशास्त्र, मीडिया, कानून और अन्य विषयों में भी छात्रों को भविष्य की ज़रूरतों से लैस नहीं किया जा रहा है। परिणामस्वरूप, वे न तो नौकरी के लिए तैयार होते हैं, न ही नवाचार या उद्यमिता की दिशा में सोच पाते हैं।

समाधान की राह- पाठ्यक्रम और पेशे का संरेखण

इस संकट का समाधान केवल एक तरफ़ा नहीं हो सकता। इसके लिए नीति, संस्थान और उद्योग—तीनों को एक साथ आगे आना होगा। हर 2-3 वर्षों में उद्योग विशेषज्ञों की मदद से पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि विषयवस्तु समय के साथ प्रासंगिक बनी रहे। शिक्षकों को उद्योगों में इंटर्नशिप या एक्सपोज़र दिया जाए ताकि वे छात्रों को वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप शिक्षा दे सकें। सभी विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रम में उद्योगिक इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स और केस स्टडी आधारित मूल्यांकन शामिल करना चाहिए। तकनीकी और मानवीय विषयों का समावेश- केवल तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि सॉफ्ट स्किल्स, संवाद क्षमता, टीमवर्क, सहानुभूति और नेतृत्व जैसे तत्वों का भी विकास किया जाना चाहिए। कंपनियाँ विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर रिसर्च लैब्स, इनोवेशन हब और स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करें — जैसा कि IIT मद्रास का रिसर्च पार्क इसका उदाहरण है।

अंतरराष्ट्रीय उदाहरण और प्रेरणा

भारत को यह समझना होगा कि अकेले तकनीकी शिक्षा से संपूर्ण विकास संभव नहीं। हमें वैश्विक मॉडलों से सीखना चाहिए। जर्मनी का ड्यूल एजुकेशन सिस्टम एक शानदार उदाहरण है, जहाँ सिद्धांत और व्यवहार का समन्वय छात्रों को उद्योग के लिए तैयार करता है। इसी प्रकार, अमेरिका में सामुदायिक कॉलेजेज़ और स्टार्टअप एक्सेलरेटर शिक्षा को उद्योग से जोड़ते हैं। सिंगापुर जैसे देश में हर तीन साल में कौशल समीक्षा होती है और शिक्षा उद्योग के सहयोग से चलती है। भारत को भी एक ऐसा ही डायनामिक करिकुलम फ्रेमवर्क अपनाने की ज़रूरत है।

चुनौतियाँ और सावधानियाँ

हालांकि इस दिशा में कदम उठाने के अपने खतरे भी हैं। यदि हम शिक्षा को केवल उद्योग की आवश्यकता तक सीमित कर दें, तो हम भविष्य के नागरिक नहीं, केवल कर्मचारी तैयार करेंगे। यह एक खतरनाक प्रवृत्ति हो सकती है। अत्यधिक व्यावसायिकता छात्रों की रचनात्मकता और नैतिक सोच को कुंद कर सकती है। साहित्य, दर्शन, समाजशास्त्र जैसे विषयों को अगर गैर-उपयोगी मानकर नज़रअंदाज़ किया गया, तो शिक्षा अपने मूल उद्देश्य से भटक जाएगी।

लगातार पाठ्यक्रमों में बदलाव, तकनीकी उन्नयन और उद्योग सहभागिता विश्वविद्यालयों के लिए महंगा साबित हो सकता है, जिससे ग्रामीण और वंचित तबकों की पहुंच सीमित हो सकती है।

राष्ट्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता

भारत सरकार ने 'स्किल इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'मेक इन इंडिया', और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी योजनाएँ चलाई हैं। इन अभियानों की सफलता तभी संभव है जब उच्च शिक्षा प्रणाली कुशल, समावेशी और उद्यमशील मानव संसाधन तैयार करे। यह तभी होगा जब विश्वविद्यालय शिक्षा को उद्योग की ज़रूरतों से जोड़ने की रणनीति राष्ट्रीय प्राथमिकता बने।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में कुछ सकारात्मक संकेत दिए हैं — जैसे लचीलापन, मल्टीडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण, और स्किल आधारित शिक्षा की बात। लेकिन ज़मीनी स्तर पर इन सुधारों को पूरी तरह लागू करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, वित्तीय निवेश और संस्थागत समन्वय की आवश्यकता है।

(चिंतन- मनन)

सुखी जीवन के तीन सूत्र

सुखी, स्वाभिमान एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के तीन सूत्र हैं- उपयोगिता, भावना एवं कर्तव्य। उपयोगिता संबंधों को प्रगाढ़ करती है, भावना परिवार को मजबूत करती है और कर्तव्य घर, परिवार, समाज में एकता एवं समन्वय स्थापित करते हैं। उक्त प्रेरक विचार मुनि पुलकसागर महाराज ने प्रवचन माला में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि उपयोगिता के बदले उपयोगिता, भावना के बदले भावना चाहिए, लेकिन कर्तव्य के बदले कुछ नहीं चाहिए। कर्तव्य तो निस्वार्थ भावना से किए जाते हैं। छोटी-सी भूल सदियों की सजा बन जाती है, इसलिए हमें जीवन सही और व्यवस्थित तरीके से जीना चाहिए। जिन माँ-बाप ने हमें खून दिया उन्हें बुढ़ापे में खून के आँसू बहाने पर मजबूर करना कायरता है। जिन्होंने अपने खून से हमे बड़ा किया उनके लिए खून बहा देना मानवता है, जबकि असहाय जीवों का खून बहा देना हिंसा और अमानवीयता है।

भगवान राम ने कर्तव्य की खातिर सौतेली माँ के वचनों को स्वीकार कर लिया, क्या आप भी इतने कर्तव्यनिष्ठ होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं? अगर नहीं तो आपका जीवन सार्थक नहीं है। श्रवण कुमार अपने पुत्र होने का कर्तव्य बगैर किसी तर्क के निभाता है। कर्तव्य के पालन में तर्क नहीं समर्पण की जरूरत पड़ती है।

विचार मंथन

सुप्रीम कोर्ट पहुंची हिंदू- मुस्लिम की लड़ाई

(लेखक- सनत जैन)

केंद्र सरकार द्वारा जो वक्फ अधिनियम 2025 संसद के दोनों सदनों से पारित किया गया है इस विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी भी मिल गई है। यह लड़ाई अब सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट में हिंदू-मुस्लिम की लड़ाई अब आर-पार की स्थिति में पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की संवैधानिक वैधता को लेकर 70 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई मुख्य न्यायाधीश और दो जजों की खंडपीठ मे शुरू हो गई है। इसमें सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को अंतरिम आदेश जारी कर सकती है। ऐसी संभावना जताई जा रही है। केंद्र सरकार ने वक्फ बिल में जिस तरह के प्रावधान किए हैं उससे स्पष्ट हो गया है, केंद्र सरकार मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना चाहती है। उनकी दान की हुई संपत्ति पर सरकार हक जताना चाहती है। वक्फ संपत्ति पर सरकार अपने हिसाब से नियंत्रण करना चाहती है। मुसलमानो के धार्मिक क्रिया-कलापों पर शासन हस्तक्षेप कर मुसलमानो पर अंकुश लगाना चाहती है। यह संशोधन से स्पष्ट है। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देशभर के मुसलमानों के साथ-साथ अन्य अल्पसंख्यक सामुदायों में भी हो रही है। पिछले 11 वर्षों से मुसलमानो के साथ में जो भेदभाव केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा किया जा रहा है, वक्फ अधिनियम के रूप में वह सामने आ गया है। अभी तक मुसलमान कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे थे। वह किसी भी किस्म का विरोध नहीं कर रहे थे। इस अधिनियम ने उन सब को एकजुट करके लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में जैसे ही इस मामले की सुनवाई शुरू हुई। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने जिस तरह से वक्फ बोर्ड में हिंदुओं की नियुक्ति की जा रही है। क्या ऐसी ही नियुक्ति अन्य गैर मुस्लिम बोर्ड में की जा सकती है। हिंदू मंदिरों और हिंदू बोर्ड में गैर हिंदुओं की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किये। 13 वीं, 14वीं शताब्दी और सैकड़ो वर्ष पुरानी मस्जिदें और धार्मिक स्थल हैं उसके रजिस्ट्रेशन को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किये। केंद्र सरकार के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट में जवाब नहीं दे पाए। संविधान में अल्पसंख्यकों को तथा सभी नागरिकों को अपने धर्म को पालन करने की जो स्वतंत्रता दी गई है। नागरिक अधिकार भी इस संसोधन में बाधित हो रहे हैं। 5 साल का प्रैक्टिशनर मुसलमान ही वक्फ मे दान कर सकता है। इस तरह के सवालों का जवाब सालिस्टर जनरल सुप्रीम कोर्ट में नहीं दे पाए। पिछले कुछ वर्षों से न्यायपालिका के ऊपर यह आरोप लगते रहे हैं, वह सरकार के दबाव पर काम करती है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका को कसौटी पर कसा जाना है। संविधान में बिना संशोधन किए हुए जिस तरह से वक्फ बिल के द्वारा करोड़ों मुसलमानो के धार्मिक क्रियाकलाप और इबादत करने को लेकर सरकार जो हस्तक्षेप कर रही है उस मामले में सुप्रीम कोर्ट क्या निर्णय करती है। यह महत्वपूर्ण हो गया है। निश्चित रूप से संविधान के अनुसार सुप्रीम कोर्ट निर्णय देने में आनाकानी करती है। ऐसी स्थिति में यह माना जाएगा की संवैधानिक व्यवस्था की आड़ में असंवैधानिक कार्यों को न्यायपालिका संरक्षित और बढ़ावा देने का काम कर रही है। सुप्रीम कोर्ट में इस बार विपक्ष के राजनीतिक दलों, 6 राज्य सरकारों तथा मुस्लिम संगठनों के साथ ही साथ अन्य समुदाय के लोगों व संगठनों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। भारत में हिंदू- मुसलमानो के बीच आर-पार की लड़ाई के रूप में देखा जाना चाहिए। भारतीय मुसलमानो को संविधान पर भरोसा था। धार्मिक स्वतंत्रता थी। जिस तरह का हस्तक्षेप कानून की आड़ में किया जा रहा है इसे कोई जिंदा कौम स्वीकार नहीं कर सकती है। भारत में अभी मुस्लिम भेड़ की तरह नहीं हांके जा सकते हैं। इतना तय है। सरकार विपक्षी दलों को भी इसी तरीके से दबाने का काम कर रही है। इस मामले में अब विपक्षी दल भी खुलकर सामने आ गए हैं। वह भी अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने को मजबूर हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट यदि सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए संविधान के अनुसार न्याय देने में सक्षम हुई तो इससे न्यायपालिका के प्रति जो लोगों में अविश्वास बढ़ रहा था, वह अविश्वास खत्म होगा। न्यायपालिका और संविधान के प्रति एक बार फिर सभी का विश्वास जागृत होगा। ऐसी आशा सुप्रीम कोर्ट से की जा सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हीरो मोटोकॉर्प ने चार संयंत्रों में उत्पादन रोका

नई दिल्ली। हीरो मोटोकॉर्प ने अल्पकालिक आपूर्ति संरेखण के लिए 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक अपने चार संयंत्रों में उत्पादन रोक दिया है। कंपनी इस अवधि में सुविधाओं में रखरखाव गतिविधियों को भी अंजाम देगी। देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा कि हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि हमारे चार विनिर्माण संयंत्रों धारूहेड़ा, गुरुग्राम, हरिद्वार और नीमराणा में उत्पादन 17 से 19 अप्रैल 2025 तक अस्थायी रूप से रोक दिया जाएगा, क्योंकि हम अल्पकालिक आपूर्ति संरेखण पर काम कर रहे हैं। इस दौरान हमारे तिरुपति और हलोल संयंत्र चालू रहेंगे। इसमें कहा गया कि इस दौरान परिचालन को और मजबूत करने के लिए रखरखाव और सुविधा संवर्द्धन की दिशा में काम किया जाएगा।

जेनसोल इंजीनियरिंग के स्वतंत्र निदेशक मेनन ने पद छोड़ा

नई दिल्ली। कोष के दुरुपयोग और संचालन में चूक होने की वजह से बाजार नियामक सेबी की जांच के दायरे में आई 2 संकटग्रस्त कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग से उसके स्वतंत्र निदेशक अरुण मेनन ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देने की जानकारी दी है। कंपनी के प्रवर्तकों में से एक अनमोल सिंह जग्गी को भेजे इस्तीफे में मेनन ने लिखा कि अन्य व्यवसायों के पूंजीगत व्यय को वित्तपोषित करने के लिए जीईएल के बहीखाते तथा जीईएल द्वारा इतनी ऊंची ऋण लागत पर स्थिरता बनाए रखने को लेकर चिंता बढ़ रही है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के धन की हेराफेरी और कामकाज संबंधी खामियों के कारण जेनसोल इंजीनियरिंग और उसके प्रवर्तकों अनमोल सिंह जग्गी तथा पुनीत सिंह जग्गी को अगले आदेश तक प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित करने की पृष्ठभूमि में मेनन ने इस्तीफा दिया है।

भारतीय झींगा निर्यातकों ने अमेरिकी झींगा पर डंपिंग का विरोध किया

नई दिल्ली। भारतीय झींगा निर्यातकों ने अमेरिका के झींगा पर डंपिंग रोधी और प्रतिपूरक शुल्कों की समीक्षा के खिलाफ विरोध जताया है। अगले महीने समीक्षा की आशंका जताते हुए, निर्यातकों ने सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। इन शुल्कों की गणना करने का अमेरिका का फार्मूला गलत बताया गया है। कोलकाता स्थित समुद्री खाद्य निर्यातक एवं मेगा मोडा के प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह शुल्कों की गणना में अंतरिक्ष है और इससे भारतीय व्यापारिक मामलों पर बुरा असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का जीरोइंग पद्धति गलत है और भारत के साथ उचित व्यापारिक समझौते की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को संरक्षण देने की जरूरत है ताकि वह अमेरिका में इक्वाडोर और वियतनाम से आने वाली प्रतिस्पर्धा का सामना कर सके।

वन 97 कम्युनिकेशन के एमडी ने 1,800 करोड़ के शेयर स्वेच्छा से छोड़े

नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशन के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा ने लगभग 1,800 करोड़ रुपये के 2.1 करोड़ शेयर स्वेच्छा से छोड़ दिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी। शेयरों को पेटीएम ब्रांड की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस की सूचीबद्धता के समय ईएसओपी के हिस्से के रूप में शर्मा को दिया गया था। अब ये शेयर वन97 के कर्मचारियों की शेयर विकल्प योजना, 2019 के तहत ईएसओपी पूल में लौट आएंगे। कंपनी ने कहा कि कंपनी के सीएमडी और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने 16 अप्रैल, 2025 को दिनांकित पत्र में सूचित किया है कि उन्होंने स्वेच्छा से सभी 2,10,00,000 ईएसओपी को वन97 कम्युनिकेशन के कर्मचारी शेयर विकल्प योजना, 2019 के तहत लौटा दिए हैं।

नया स्मार्टफोन मोटोरोला एग्ज 60 स्टायलस लॉन्च

नई दिल्ली।

भारत में मोटोरोला ने नया स्मार्टफोन मोटोरोला एग्ज 60 स्टायलस लॉन्च किया है। फोन में 6.7 इंच का पीओ एलईडी डिस्प्ले है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 3000 निट्स ब्राइटनेस के साथ आता है। यह स्टायलस सपोर्ट वाला सेगमेंट का पहला स्मार्टफोन है, जिसमें एआई स्केच-टू-इमेज फीचर भी मिलता है। इस फीचर की मदद से यूजर्स डिस्प्ले पर स्केच बनाकर उसे इमेज या पेंटिंग में बदल सकते हैं। मोटोरोला एग्ज 60 स्टालस स्नैपड्रैगन 7एस जेन 3 प्रोसेसर पर चलता है और इसमें 8जीबी रैम के साथ 256जीबी इंटरनल स्टोरेज मिलती है। स्टोरेज को 1टीबी तक माइक्रो एसडी कार्ड से बढ़ाया जा सकता है। फोन एंड्राएड 15 बेस्ड माय यूएक्स पर काम करता है और दो एंड्रॉयड अपडेट व तीन साल के सिक्योरिटी अपडेट का वादा कंपनी ने किया है। कैमरे की बात करें तो इसमें ओआईएस सपोर्ट के साथ 50एमपी का सोनी एलवायटी-700सी मेन कैमरा और 13एमपी अल्ट्रा-वाइड कैमरा है। फंट में 13एमपी का सेल्फी कैमरा दिया गया है। इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर, ड्यूल सिम (नैनो प्लस ईसिम), डोल्बी एटमॉस स्पीकर और एनएफसी जैसे फीचर्स मिलते हैं। इसका एकमात्र 8 जीबी+256जीबी वेरिएंट रुपए 22,999 में उपलब्ध होगा, लेकिन बैंक ऑफर के तहत इसे रुपए 21,999 में खरीदा जा सकेगा। पहली सेल 23 अप्रैल दोपहर 12 बजे से फ्लिपकार्ट, मोटोरोला की वेबसाइट और ऑफलाइन स्टोर्स पर शुरू होगी। फोन दो रंगों - पेंटोन ग्रिब्राल्टर सी और सर्फ द वेब में मिलेगा। बैटरी की बात करें तो फोन में 5000 एमएएच

बैटरी है, जो 68 वॉट फास्ट वायर्ड और 15 वॉट वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करती है। फोन आईपी68 वॉटरप्रूफ रेटिंग और एमआईएल-एसटीडी-810एच मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरेबिलिटी के साथ आता है, जिससे यह पानी और धूल से सुरक्षित रहता है।

आरबीआई ने अहमदाबाद के कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुजरात के शहर अहमदाबाद स्थित कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने जारी किए गए बयान में यह निर्धारित किया कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। आरबीआई ने बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) की मौद्रिक सीमा बढ़ाकर जमाकर्ताओं की सुरक्षा में सुधार करने का प्रस्ताव भी किया है। अब जमाकर्ताओं को केवल 5 लाख रुपये तक की जमा राशि पर डीआईसीजीसी द्वारा बीमा की गारंटी प्राप्त होगी। कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक के सहकारी समितियों के पंजीयक के खिलाफ भी एक परिसमापक की मांग की गई है। आरबीआई ने बैंक के असमर्थन के कारण उसके लाइसेंस को रद्द किया है और बैंक को बंद करने के लिए परामर्श दिया है। इस घटना से उठने वाले विवाद के बीच आरबीआई ने सामान्य सार्वजनिक को सुनिश्चित किया है कि इस प्रकार की कार्रवाई का निर्णय केवल बैंक और उसके ग्राहकों के हितों के लिए हो गया है।

यश बैंक को 244 करोड़ की इनकम टैक्स डिमांड का नोटिस

बैंक ने कहा वह इस टैक्स डिमांड को चुनौती देगा और इसके खिलाफ अपील करेगा

मुंबई।

यश बैंक को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 244.20 करोड़ रुपए का अतिरिक्त टैक्स डिमांड का नोटिस मिला है। यह डिमांड 2016-17 के लिए किए गए असेसमेंट और पुनर्मूल्यांकन के बाद आई है। बैंक ने कहा है कि वह इस टैक्स डिमांड को चुनौती देगा और इसके खिलाफ अपील करेगा। बैंक को दिसंबर 2018 में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से 2016-17 के लिए एक टैक्स असेसमेंट ऑर्डर मिला था, जिसमें कुछ जोड़-घटाव किए गए थे। इसके बाद मार्च 2022 में पुनः मूल्यांकन आदेश आया, जिसमें कुछ और बदलाव किए गए थे। बैंक ने दोनों आदेशों के खिलाफ अपील की है और अब पुनः मूल्यांकन के बाद एक नई टैक्स डिमांड आई है। बैंक ने बताया कि पुनः मूल्यांकन आदेश में गलती हुई थी, क्योंकि इसमें आयकर रिटर्न में बताई गई आय के बजाय असेस्ड आय का उपयोग किया गया था। इस गलती को सुधारने के लिए 15 अप्रैल 2025 को एक रे क्टि फिकेशन आर्डर पास किया गया। हालांकि, इस आदेश के बाद टैक्स की मांग में काफी वृद्धि हो गई, और बैंक ने इसे बिना किसी ठोस कारण के बताया है। बैंक ने कहा कि वह इस अतिरिक्त टैक्स डिमांड के खिलाफ तुरंत रे क्टि फिकेशन आवेदन दाखिल करेगा और अगर जरूरत पड़ी, तो अपीलीय न्यायाधिकरण में भी अपील करेगा।। है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत पर बरकरार रखी है। फिच के अनुमानों के अनुसार अमेरिका की जीडीपी वृद्धि दर 2025 तक 1.2 प्रतिशत पर सकारात्मक रहने की उम्मीद है। चीन की वृद्धि दर इस वर्ष और अगले वर्ष चार प्रतिशत से नीचे रहने का अनुमान है, जबकि यूरोक्षेत्र में वृद्धि एक प्रतिशत से काफी नीचे बनी रहेगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद, सेंसेक्स 1508 अंक ऊपर आया

निफ्टी में भी 414 अंकों की बढ़त

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई पर दूसरे सत्र में इसमें तेजी आने लगी जो अंत तक बनी रही। इसी के साथ ही दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1508.91 अंक करीब 1.96 फीसदी बढ़कर 78,553.20 पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का का निफ्टी भी अंत में 414.45 अंक करीब 1.77फीसदी की बढ़त के साथ ही 23,851.65 पर बंद हुआ।

बाजार जानकारों के अनुसार इसमें तेजी का कारण पिछले दो कारोबारी सत्र में विदेशी संस्थागत निवेशकों की जबरदस्त खरीदी भी रही है। पिछले दो दिनों में ही उन्होंने ₹10,000 करोड़ के शेयर खरीदे हैं। जिससे भी बाजार को बल मिला।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो अमेरिका के शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिसका प्रभाव एशियाई बाजारों और भारत पर भी देखने में आया। तकनीकी शेयरों में बिकवाली से अमेरिका में एनविडिया के शेयरों में गिरावट रही। वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने व्यापार टैरिफ को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि मुद्रास्फीति पर काबू पाने के साथ-साथ आर्थिक वृद्धि को बनाए रखना कठिन हो सकता है।

अमेरिकी शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.73 फीसदी नीचे आकर 39,669.39 पर बंद हुआ। वहीं, एसएंडपी 500 में 2.24 फीसदी की गिरावट आई और यह 5,275.70 पर बंद हुआ। टेक-हेवी नैस्डैक कंपोजिट 3.07फीसदी नीचे आकर 16,307.16 पर पहुंच गया।

सुबह फ्यूचर्स शेयरों में हल्की तेजी रही। डाउ जोन्स फ्यूचर्स में 0.40 फीसदी, एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.47फीसदी और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 0.56फीसदी की तेजी रही।

एशियाई बाजारों की बात करें तो इसमें मिला-जुला कारोबार हुआहै। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.7 फीसदी ऊपर आया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.45फीसदी बढ़ा। वहीं ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी/एएसएक्स 200 इंडेक्स में 0.28 फी तेजी रही। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.42 फीसदी बढ़ा जबकि चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.19 फीसदी गिरा।

वहीं गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह टैरिफ संबंधी चिंताओं के बीच अमेरिकी शेयर बाजार में कमजोर रुख के चलते भारतीय बाजार की भी गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सुबह सेंसेक्स 314.11 अंक की गिरावट लेकर 76,730.18 पर था।

इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी गिरावट लेकर 23,401.85 पर खुला।

रेटिंग एजेंसी मूडी ने भारत का ग्रोथ अनुमान घटाया

फरवरी में 6.6 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया था

मुंबई।

मूडीज रेटिंग्स ने अमेरिका के नए सिलसिलेवार शुल्कों को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2025 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि का अनुमान बुधवार को घटाकर 5.5 से 6.5 फीसदी कर दिया जबकि उसने फरवरी में 6.6 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया था। रेटिंग एजेंसी ने अपनी शुल्क और व्यापार अशांति पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि ट्रंप शुल्क से वैश्विक व्यापार गतिविधियों पर असर पड़ेगा। इन शुल्कों से क्षेत्रीय निर्यात की मांग घटेगी। इससे व्यापारिक आत्मविश्वास भी घटेगा। लिहाजा एशिया प्रशांत क्षेत्र में निवेश घटेगा। यह अनुमान दूसरे देशों के लिए 10 फीसदी के बुनियादी शुल्क और चीन पर 145 फीसदी शुल्क के परिदृश्य को ध्यान में रखकर संशोधित किया गया है। मूडीज रेटिंग्स ने बताया कि अमेरिका को भारत के निर्यात में विविधता है और तुलनात्मक रूप से इस पर कम प्रभाव पड़ेगा। इसने कहा कि इस पूरे क्षेत्र (एशिया प्रशांत) में अमेरिका की मांग को लेकर सर्वाधिक प्रभाव इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और उपकरणों के अलावा खाद्य व वस्त्र उद्योग पर पड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया कि लगातार अनिश्चितता और वित्तीय बाजार में बढ़ते तनाव के कारण अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव आसानी से अमेरिका को मंदी की ओर ले जा सकता है। मूडीज रेटिंग्स की शाखा मूडीज एनॉलिटिक्स ने भी हाल ही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि अनुमान को कैलेंडर वर्ष 2025 के लिए 30 आधार अंक घटाकर 6.1 फीसदी कर दिया था। इसका कारण यह था कि अमेरिका के शुल्क के प्रभाव से रत्न व आभूषण, चिकित्सा उपकरण और वस्त्र उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। दूसरी

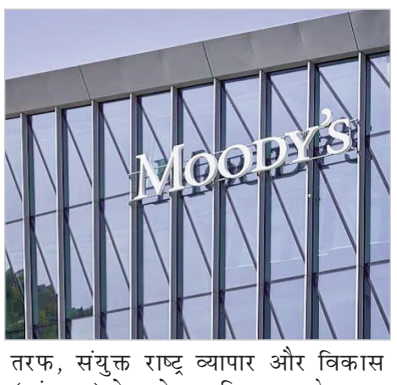

तरफ, संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (अंकटाड) ने बढ़ते व्यापारिक तनाव के कारण वर्ष 2025 के लिए वैश्विक वृद्धि के अनुमान को घटाकर 2.3 फीसदी कर दिया है जबकि उसने कहा है कि जबरदस्त सार्वजनिक खर्च और मौद्रिक नीति में ढील दिए जाने से भारत की वृद्धि का अनुमान 6.5 फीसदी होगा।

रसायन, पेट्रोरसायन क्षेत्र पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन कर रहा है भारत

भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय रसायन एवं पेट्रोरसायन सचिव निवेदिता शुक्ला वर्मा ने देश के रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव का आकलन करने की सरकारी पहल की घोषणा की है। निवेदिता शुक्ला ने एक विचार-विमर्श सत्र में बताया कि यह निर्णय उद्योग जगत के साथ संवाद स्थापित करने के लिए किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अतिरिक्त 26 प्रतिशत के जवाबी शुल्क लागू करने का फैसला लिया था, जिसे अब नौ अप्रैल को 90 दिन के लिए टाल दिया गया है। इसके बावजूद, 10 प्रतिशत का मूल शुल्क अब भी लागू है। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल निर्यात में रसायन की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है। इसका अंतरराष्ट्रीय निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 में 5.7 अरब अमेरिकी डॉलर था। निवेदिता शुक्ला ने कहा कि सरकार उद्योग जगत के साथ विचार-विमर्श के बाद उपाय निर्धारित करेगी और उद्योग के स्थिति का समीक्षा करेगी। इस नए विकल्प का अनुसरण करते हुए, भारतीय रसायन और पेट्रोरसायन उद्योग अपने व्यापारिक प्रवृत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

इस साल एफएमसीजी कंपनियों को राहत दे सकता है अच्छा मानसून

ग्रामीण-शहरी दोनों क्षेत्रों में बढ़ेगी मांग

नई दिल्ली।

देश के मौसम विभाग ने इस साल मॉनसून के दौरान भारी वर्षा के आगंतुकीय संकेत दिए हैं, जो कंपनियों को राहत दे सकते हैं। एफएमसीजी से लेकर सरकार तक ने अपनी नीतियों में सुधार कर मांग के निश्चित सुधार की बात की है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में वाणिज्यिक गतिविधियों की बढ़ती मांग का अनुमान लगातार बढ़ रहा है। इस पूरे मौसम धारा के बारे में जानकरी के साथ, उपभोक्ता और कंपनियों में आर्थिक उतार-चढ़ाव की उम्मीदें उचित हैं। खुशखबरी के साथ मांग की वृद्धि की उम्मोदें हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आगे कुछ अच्छे समय आने वाले हैं। पभोक्ता कंपनियों का कहना है कि देश में लगातार चौथे साल मॉनसून में पर्याप्त वर्षा का अनुमान लगाया गया है। इन कंपनियों ने कहा कि देश के ग्रामीण क्षेत्रों में देश की 65 फीसदी आबादी रहती है। कंपनियों के अनुसार खरीफ फसलें अच्छी रहने से लोगों की आय बढ़ेगी जिसका फायदा उन्हें भी मिलेगा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में सालाना 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई कर न लगाने की भी घोषणा की है। साथ ही देश में सामान्य से अधिक बारिश के अनुमान से उपभोग को और अधिक ताकत मिल सकती है। सामान्य से अधिक बारिश होने पर ग्रामीण क्षेत्र में मांग को दम मिलेगा। इन क्षेत्रों में पिछले कुछ

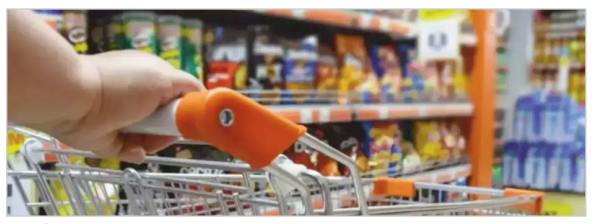

महीनों से मांग में पहले से ही सुधार देखा जा रहा है। अब मॉनसून अच्छा रहने से मांग को और बढ़ावा मिलेगा। उपज बढ़ने से मुद्रास्फीति में और कमी आ सकती है। अन्य उपभोक्ता कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी यही राय जाहिर की। उन्होंने कहा कि अच्छे मॉनसून के कारण ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों से मांग बढ़ेगी। एनआईक्यू के ताजा आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर से दिसंबर तिमाही (वित्त वर्ष 2025) में शहरी एवं ग्रामीण मांग में वृद्धि देखी गई है। भारत के ज्यादातर क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों का प्रदर्शन शहरी क्षेत्रों से लगातार बढ़िया रहा है। मैरिको, डाबर इंडिया और एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस ने अपने तिमाही पूर्व अनुमान में कहा है कि जनवरी से मार्च (वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही) तिमाही में शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में मांग की स्थिति अच्छी रही है।

सात शहरों में लग्जरी हाउसिंग सेगमेंट की मांग बढ़ी

नई दिल्ली।

देश के सात शहरों में लग्जरी हाउसिंग सेगमेंट की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही यानी जनवरी से मार्च के बीच 4 करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले लग्जरी घरों की बिक्री में सालाना आधार पर 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान कुल 1,930 लग्जरी यूनिट्स की बिक्री हुई। दिल्ली-एनसीआर इस सेगमेंट में सबसे आगे रहा, जहां 950 यूनिट्स बिके। इसके बाद मुंबई का स्थान रहा, जिसकी कुल बिक्री में हिस्सेदारी करीब 23 प्रतिशत रही। दक्षिण भारत में बेंगलुरु में लग्जरी सेगमेंट में सबसे अधिक उछाल देखने को मिला। यहां इस साल की पहली तिमाही में 190 यूनिट्स बिके, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा सिर्फ 20 था। कोलकाता और चेन्नई की इस सेगमेंट में संयुक्त हिस्सेदारी करीब 5 प्रतिशत रही। रिपोर्ट में बताया गया कि हाई-एंड सेगमेंट की कुल बिक्री में हिस्सेदारी 27 प्रतिशत और मिड-एंड सेगमेंट की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत रही। आरबीआई द्वारा रेपो रेट में कटौती से होम लोन की किस्तें कम हो सकती हैं, जिससे किराये और ईएमआई में अंतर घटेगा और ग्राहक खरीदारी को प्राथमिकता देंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि 2023-24 में बड़े स्तर पर भूमि अधिग्रहण हुआ है, जिससे इस वर्ष नए प्रोजेक्ट्स की लॉन्चिंग अधिक रहने की संभावना है। सीबीआरई के चेयरमैन और सीईओ अंशुमन मैगजीन ने कहा कि बढ़ती आय, जीवनशैली में बदलाव और आधुनिक सुविधाओं से लैस घरों की चाहत इस मांग को बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार और बेहतर फंडिंग विकल्पों के चलते आवासीय मांग स्थिर रहने की उम्मीद है।

मेटा के सीईओ जुकरबर्ग को बेचनी पड़ सकता है वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम

अमेरिका में फेडरल ट्रेड कमीशन ने ठोका कंपनी पर एंटीट्रस्ट का मुकदमा

नई दिल्ली।

सोशल मीडिया कंपनी मेटा और उसके सीईओ मार्क जुकरबर्ग की परेशानी बढ़ गई क्योंकि उनके सामने कानूनी संकट पैदा हो गया है। अमेरिका में फेडरल ट्रेड कमीशन (एफटीसी) ने मेटा के खिलाफ एंटीट्रस्ट का मुकदमा ठोक दिया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कंपनी ने अपनी प्रतिद्वंद्विता को खत्म करने के लिए इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप का अधिग्रहण किया था। एफटीसी का कहना है कि मेटा ने बाजार में एकाधिकार कायम करने की रणनीति के तहत इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप को खरीदा था। एफटीसी की ओर से यह अब तक की सबसे सख्त कार्रवाई है। रिपोर्ट के मुताबिक 2012 में मेटा ने इंस्टाग्राम को 1 अरब डॉलर में और 2014 में वॉट्सऐप को 22 अरब डॉलर में खरीदा था। एफटीसी का कहना है कि यह अधिग्रहण नवाचार को दबाने और प्रतिस्पर्धा को खत्म करने के इरादे से किया गया था। आयोग ने एक आंतरिक ईमेल का हवाला भी दिया है, जिसमें खुद जुकरबर्ग ने लिखा था- प्रतिस्पर्धा करने से बेहतर है खरीद लेना, जो नियामक के मुताबिक मेटा की मंशा को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।मामले की सुनवाई कर रहे जज यह तय करेंगे कि क्या मेटा वास्तव में अमेरिकी सोशल नेटवर्किंग बाजार में एकाधिकार रखता है। एफटीसी ने यूट्यूब और टिकटॉक को सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म की श्रेणी में नहीं रखा है, क्योंकि वे मुख्य रूप से वीडियो क्रिएटर्स पर केंद्रित हैं। एफटीसी का दावा है कि 2012 से 2020 तक फेसबुक ने इस क्षेत्र में उपयोगकर्ताओं के समय का 80 फीसदी से ज्यादा हिस्सा कब्जे में रखा। मेटा ने एफटीसी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि बाजार में टिकटॉक और यूट्यूब जैसे मजबूत प्रतिस्पर्धी मौजूद हैं और एफटीसी यह साबित नहीं कर पाया कि मेटा की गतिविधियों से उपभोक्ताओं या विज्ञापनदाताओं को कोई नुकसान हुआ है। अगर कोर्ट मेटा के खिलाफ फैसला सुनाती है, तो इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप को अलग किया जा सकता है और एक ट्रस्टी नियुक्त किया जाएगा, जो इस प्रक्रिया की निगरानी करेगा। हालांकि, कानूनी लड़ाई खत्म होने में कई साल लग सकते हैं। अगर इंस्टाग्राम मेटा से अलग होता है, तो कंपनी को बड़ा झटका लगेगा, क्योंकि इंस्टाग्राम अकेले अमेरिका में मेटा की कुल विज्ञापन आय का करीब 50 फीसदी योगदान देता है।

एसयूवी कर्व के इलेक्ट्रिक वर्जन का डार्क एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अपनी कूप-एसयूवी कर्व के इलेक्ट्रिक वर्जन का डार्क एडिशन लॉन्च किया है।डार्क एडिशन की बुकिंग अब शुरू हो गई है। टाटा कर्व ईवी डार्क एडिशन केवल एक वेरिएंट - एम्पावर्ड+ एडीएएस 55केडल्यूएच में उपलब्ध है, जो टॉप-स्पेक वेरिएंट में मिलेगा। कर्व ईवी डार्क एडिशन में बाहरी और आंतरिक डिज़ाइन में कई आकर्षक बदलाव किए गए हैं। इसका कार्बन ब्लैक एक्सटीरियर, डार्क अलॉय व्हील्स, ग्लॉस पियानो ब्लैक रियर स्पॉइलर और वेलकम लाइट के साथ फ्लश डोर हैंडल गाड़ी को प्रीमियम और मस्कुलर लुक देते हैं। इंटीरियर्स में भी डार्क थीम दी गई है, जिसमें लेदरेट सीटें, मूड लाइटिंग और वॉयस असिस्टेड पैनोरमिक सनरूफ शामिल हैं। कनेक्टिविटी के मामले में कर्व ईवी डार्क एडिशन में 12.3 इंच की सिनेमैटिक स्क्रीन, जेबीएल ऑडियो सिस्टम, लेवल-2 अडास और 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे हाई-टेक फीचर्स दिए गए हैं। इसमें वी2एल टेक्नोलॉजी भी है, जो रिवर्स चार्जिंग की सुविधा देती है। इसमें 55केडल्यूएच का एलएफपी बैटरी पैक है, जो 164.72 बीएचपी की पावर और 215 एनएम टॉर्क पैदा करता है। यह गाड़ी 502 किमी की रेंज और 8.6 सेकंड में 0 से 100

किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। 7.2केडल्यू एसी चार्जर और 70केडल्यू डीसी फास्ट चार्जिंग सपोर्ट भी उपलब्ध है, जिससे बैटरी जल्दी चार्ज हो जाती है। इस मॉडल को 21,000 रुपये के टोकन अमाउंट पर बुक किया जा सकता है और इसकी एक्स-शोरूम कीमत 22.24 लाख रुपये रखी गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और पंजाब में मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में पंजाब किंग्स से खेलेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी पर आरसीबी को इसमें घरेलू हालातों का लाभ मिल सकता है। अभी तक दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। दोनो ही टीमों ने अब तक चार-चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल किये हैं पर रेट रन रेट के आधार पर आरसीब तीसरे जबकि पंजाब चौथे स्थान पर है। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बज्लेबाज और गेंदबाज हैं , ऐसे में प्रशंसकों को एक रोमांचक मैच देखने को मिलेगा। इस मैच में आरसीबी के बल्लेबाज विराट कोहली ओर पंजाब के स्पिनर युजवेंद्र चहल के बीच कड़ी टक्कर होगी। चहल ने पिछले मैच में जबरदस्त गेंदबाजी कर अपनी टीम की ओर से 112 रनों के लक्ष्य का बचाव करने में सफलता हासिल की थी। आरसीबी के बल्लेबाजों को यहां की धीमी पिच पर पिछले मैचों में स्पिनरों के सामने संघर्ष करना पड़ा था। जिसको लाभ पंजाब के स्पिनर उठाना चाहेंगे। पंजाब के पास चहल के अलावा स्पिनर के तौर पर ग्लैन मैक्सवेल भी हैं। मैक्सवेल लंबे समय तक आरसीबी में रहे हैं और वह मैदान के हालातों को भी समझते हैं।

वहीं आरसीबी के पास भी क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा जैसे अच्छे स्पिनर हैं जो पंजाब के कप्तान श्रेयस श्रेयस अय्यर और प्रियांश आर्य पर अंकुश लगाने का प्रयास करेंगे। श्रेयस के अलावा इस सत्र में प्रियांश ने भी काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। पंजाब टीम के पास अर्शदीप सिंह और मार्को यानसन जैसे अच्छे तेज गेंदबाज भी हैं। वहीं आरसीबी के पास तेज गेंदाजाज के तौर पर अनुभवी जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार हैं जिनका लाभ उसे मिलेगा। आरसीबी के लिए सकारात्मक बात ये है कि उसके कप्तान रजत पाटीदार ने अब तक टीम को अच्छी सफलता दिलायी है। रजत पहली बार कप्तानी

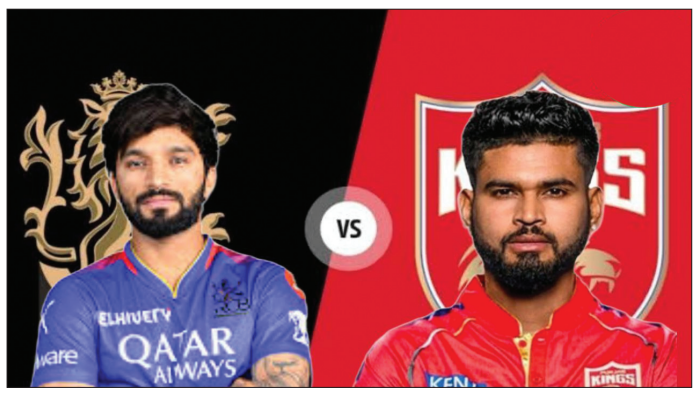

कर रहे हैं जबकि श्रेयस ने अपनी कप्तानी में पिछली कार कोलकाता नाइटराइडर्स को जीत दिलायी थी। इन दोनों खिलाड़ियों को स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अच्छा बल्लेबाज माना जाता है और इसलिए बल्लेबाजी में उनकी अहम भूमिका रहेगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो दोनो ही टीमों किसी भी मामले में कम नहीं है ऐसे में बराबरी की टक्कर है। आरसीबी की बल्लेबाजी में काफी गहरायी है। वहीं पंजाब के पास जुनूनी खिलाड़ी हैं हालांकि ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के बल्ले की खामोशी उसके लिए परेशानी बन सकती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु = रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल साल्ट, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वास्तिक छिकारा, लुंगी एनगिडी। अभिनंदन सिंह, मोहित राठी।

पंजाब किंग्स = श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), नेहल वढेरा, शशांक सिंह, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसन, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, यश ठाकुर, सूर्यांश शेडगे, प्रवीण दुबे, विजयकुमार विशक, हरप्रीत बराड़, अजमतुल्लाह उमरजई, जोश इंग्लिस, जेवियर बार्टलेट, विष्णु विनोद, आरोन हार्डी, कुलदीप सेन। हरनूर सिंह, मुशीर खान, पला अविनाश।

नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका में 84.52 मीटर थ्रो के साथ सत्र की शुरुआत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पॉट इनविटेशनल ट्रैक प्रतियोगिता जीतकर अपने सत्र की शानदार शुरुआत की। चोपड़ा ने बुधवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता में 84.52 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर छह खिलाड़ियों के बीच चले मुकाबले में शीर्ष स्थान हासिल किया।

भारतीय स्टार चोपड़ा दक्षिण अफ्रीका के 25 वर्षीय डौव स्मिट से आगे रहे, जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.44 मीटर था। चोपड़ा का प्रदर्शन हालांकि उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर से कम था, जबकि स्मिट अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 83.29 मीटर के करीब पहुंच गए। केवल दो खिलाड़ियों चोपड़ा और स्मिट ने ही प्रतियोगिता में 80 मीटर की दूरी पार की। दक्षिण अफ्रीका के एक अन्य खिलाड़ी डंकन रॉबर्टसन 71.22 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

चोपड़ा अपने नए कोच चेक गणराज्य के जान जेलेजनी की निगरानी में पोटचेफस्ट्रूम में अभ्यास कर रहे हैं। जेलेजनी तीन बार के ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक हैं। भारत का यह 27 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल लंबे समय तक अपने कोच रहे जर्मनी के क्लॉस बार्टोनिट्ज से अलग हो गए थे।

चोपड़ा 16 मई को दोहा डायमंड लीग में एलीट प्रतियोगिताओं में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। उन्होंने 2020 तोक्यो (स्वर्ण) और 2024 पेरिस खेलों (रजत) में लगातार ओलंपिक पदक जीते। चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था। वह पिछले लंबे समय से 90 मीटर का आंकड़ा छूने का प्रयास कर रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच पर लगा मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल पर बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट अंक भी मिला है।

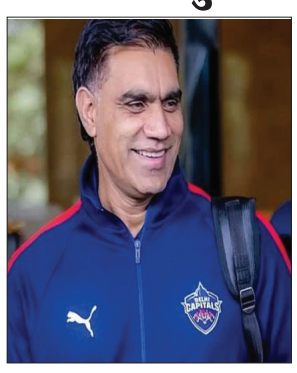

आईपीएल ने गुरुवार को एक बयान में कहा, 'मुनाफ पटेल ने अनुच्छेद 2.20 के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया है जो खेल की भावना के विपरीत आचरण से संबंधित है और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया है। आचार संहिता के लेवल 1 उल्लंघन के लिए मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है।'

यह घटना दिल्ली की गेंदबाजी के दौरान हुई जब चौथे अंपायर ने कथित तौर पर दिल्ली के रिजर्व खिलाड़ी को पटेल का संदेश देने के लिए मैदान में प्रवेश करने से रोक दिया। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज को बाउंड्री लाइन पर अपने फीते बांधते समय अंपायर से बहस करते देखा गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

मिचेल स्टार्क के गेंद से शानदार प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने सुपर ओवर में रोमांचक जीत हासिल की। उन्होंने न केवल आखिरी ओवर में सेट बल्लेबाजों ध्रुव जुरेल और शिमरोन हेटमायर के खिलाफ 9 रन का बचाव किया, बल्कि सुपर ओवर में राजस्थान को 11 रन पर रोक दिया।

केएल राहुल और ट्रिस्टन स्टब्स ने आराम से घरेलू टीम को जीत दिलाई और अरुण जेटली स्टेडियम में सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की। मैच में अपने दमदार गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए स्टार्क को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने अपने चार ओवरों में 1/36 के आंकड़े के साथ वापसी की, जबकि उन्होंने सुपर ओवर में दो विकेट भी लिए। इस जीत ने दिल्ली को 6 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंकों सहित शीर्ष स्थान हासिल करने में मदद की। अब दिल्ली शनिवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटन्स से भिड़ेगी।

बीसीसीआई जल्द करेगा केंद्रीय अनुबंधों की घोषणा, अय्यर की वापसी, कुलदीप-अक्षर का हो सकता है प्रोमोशन

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इस सप्ताह के अंत तक 2025-26 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंधों की घोषणा कर सकता है। सूत्रों के हवाले से इस बात की जानकारी सामने आई है। सूत्रों की मानें तो स्टार स्पिनर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को ग्रेड बी से ग्रेड ए में प्रोमोट किया जा सकता है। मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भी 2024-25 सत्र के लिए बाहर किए जाने के बाद अनुबंध सूची में वापसी की उम्मीद है। सूत्रों ने आगे कहा कि वरिष्ठ खिलाड़ी रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह के ए+ ग्रेड में अपना स्थान बनाए रखने की संभावना है।

कुलदीप और अक्षर हाल ही में भारत की दो आईसीसी खिताब जीत आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान भारत के शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहे हैं। टी20 विश्व कप में कुलदीप ने 13.90 की औसत और 6.95 की इकॉनमी रेट से 10 विकेट लिए थे जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/19 रहा था। चैंपियंस ट्रॉफी में उन्होंने 31.85 की औसत से 7 विकेट लिए थे, जिसमें उनका इकॉनमी रेट 4.79 और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/40 रहा था।

भारत के प्रमुख स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने दोनों टूर्नामेंटों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। टी20 विश्व कप 2024 के दौरान 8 मैचों की 5 पारियों में उन्होंने पांच पारियों में 23.00 की औसत और 139.39 की स्ट्राइक रेट से 92 रन बनाए। उन्होंने 19.22 की औसत और 7.86 की इकॉनमी रेट से 9 विकेट भी लिए जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3/23 रहा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में उनका 47 रन का जवाबी हमला अहम साबित हुआ।

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में अक्षर ने दुबई की कठिन परिस्थितियों में लगभग 74 की स्ट्राइक रेट के साथ, पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पांच पारियों में 27.25 की औसत से 109 रन बनाए। उन्होंने पांच विकेट लेकर और प्रति ओवर सिर्फ 4.35 रन देकर खुद को भारत के सबसे सफल स्पिनर के रूप में भी पेश किया। उनका गेंदबाजी औसत भी 39.20 रहा। इन दो खिताब जीत और उनमें उल्लेखनीय योगदान के साथ अक्षर ने एक प्रभावशाली सितारे के रूप में भारतीय सेट-अप में अपने लिए एक स्थायी स्थान सुनिश्चित कर लिया है। अक्षर को इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी भी सौंपी गई है और छह मैचों में पांच जीत के साथ, उन्होंने शानदार शुरुआत की है। पिछले साल केंद्रीय अनुबंध से हटाए जाने के बावजूद श्रेयस अय्यर ने कुछ यादगार प्रदर्शन किए, उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कप्तान के रूप में आईपीएल जीता, घरेलू क्रिकेट में रणजी ट्रॉफी, ईरानी कप और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती, जिसमें से SMAT जीत कप्तान के रूप में आई। अय्यर ने इस साल इंग्लैंड श्रृंखला के दौरान एकदिवसीय सेट-अप में वापसी करने से पहले घरेलू क्रिकेट में सभी प्रारूपों में भारी स्कोर किया और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीत में भारत के शीर्ष रन बनाने वाले खिलाड़ी बने, जिन्होंने पांच मैचों में 243 रन और दो अर्द्धशतक बनाए।

अय्यर ने इस साल 8 वनडे मैचों में चार अर्द्धशतकों के साथ 53.00 की औसत से 424 रन बनाए हैं। पंजाब किंग्स के कप्तान के रूप में बल्लेबाज ने शानदार शुरुआत की है जिसने अब तक छह में से चार मैच जीते हैं और छह मैचों में तीन अर्द्धशतकों के साथ 250 रन बनाए हैं। टी20आई प्रारूप से संन्यास ले रोहित और विराट के ए+ श्रेणी में बने रहने की संभावना है, क्योंकि उन्होंने हाल ही में भारत की व्हाइट-बॉल खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रोहित ने टी20 विश्व कप 2024 के दौरान आठ मैचों में 257 रन बनाए जिसमें तीन अर्द्धशतक शामिल हैं। विराट ने निराशाजनक टूर्नामेंट के बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में 76 रन की शानदार पारी खेली।

ओलंपिक क्रिकेट मुकाबले कैलिफोर्निया के पोमोना शहर में होंगे : शाह

दुबई । 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में 128 साल बाद क्रिकेट की वापसी होने जा रही है। ओलंपिक में होने जा रहे क्रिकेट मुकाबलों को लेकर अभी से तैयारियां शुरु हो गयी हैं। इसके लिए दक्षिण कैलिफोर्निया का पोमोना शहर तैयार किया जा रहा है। यहीं क्रिकेट मुकाबले होंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ये बात कही है। इसमें पुरुष और महिला वर्ग में छह-छह टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन पोमोना के फेयरग्राउंड में होगा। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने एक कहा, 'हम लॉस एंजिल्स 2028 में क्रिकेट के आयोजन स्थल की घोषणा का स्वागत करते हैं क्योंकि यह ओलंपिक में हमारे खेल की वापसी की तैयारी की दिशा में एक अहम कदम होगा।' उन्होंने कहा, 'क्रिकेट एक बेहद लोकप्रिय खेल है और ओलंपिक से उसे विस्तार करने का एक शानदार अवसर मिलेगा। टी20 प्रारूप का रोमांच ओलंपिक के क्रिकेट के लिए नए दर्शकों को अपनी ओर खींचेगा।' गौरतलब है कि इससे पहले क्रिकेट के मुकाबले 1900 के पेरिस ओलंपिक खेलों में हुए थे। इसे अक्टूबर 2023 में मुंबई में आईओसी के 141वें सत्र के बाद लॉस एंजिल्स ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किया गया था।

स्टार्क की यॉर्कर गेंदबाजी ने बदला मैच

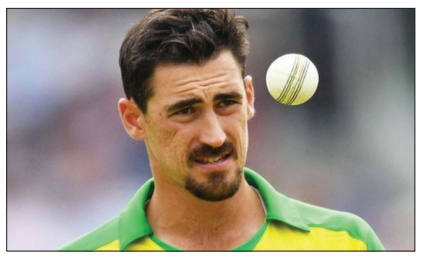

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में 12 गेंदों में सभी 12 यॉर्कर डालकर सभी को हैरान कर दिया। इस मैच में दिल्ली की जीत में स्टार्क की भी अहम भूमिका रही। इस तेज गेंदबाज ने अपने प्रदर्शन से मैच पलट दिया। उसने अंतिम ओवरों में राजस्थान रॉयल्स को अपनी गेंदबाजी से ध्वस्त कर दिया। स्टार्क ने रॉयल्स के खिलाफ ऐसे सटीक यॉर्कर डाले कि उसके बल्लेबाजों को शॉट लगाने का कोई अवसर नहीं मिला जबकि इस मैच में रॉयल्स की टीम जीत के करीब पहुंच गयी थी। उसे अंतिम ओवर में जीत के लिए केवल नौ रन की जरूरत थी पर स्टार्क पेसर ने सिर्फ आठ ही रन दिए, जिससे मैच सुपर ओवर में पहुंच गया। सुपर ओवर में रॉयल्स के लिए शिमरोन हेटमायर ने 06 और रियान पराग ने 04 रन बनाये। मिचेल स्टार्क ने इस ओवर में छह गेंद यॉर्कर फेंकी, जिसमें एक चौका हेटमायर और एक पराग ने लगाया पर पराग फ्री हिट पर रन आउट हो गए। वहीं यशस्वी जायसवाल अपना खाता भी नहीं खोल पाये। ऐसे में दिल्ली को जीत के लिए 12 रन बनाने थे। दिल्ली की ओर से लोकेश राहुल ने नाबाद 07 और ट्रिस्टन स्टब्स ने नाबाद 06 रन बनाये। रॉयल्स की ओर से संदीप शर्मा गेंदबाजी कर रहे थे। राहुल ने पहली गेंद पर दो रन लिए और फिर अगली गेंद पर चौका लगाया। वहीं स्टब्स ने चौथी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी।

आईपीएल 2025 : अर्शदीप बोले, 'पंजाब किंग्स में मुझे बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी गई है'

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि फ्रेंचाइजी में अपना पहला साल बिताने के बाद उन्हें लगा कि उन्हें एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है जिससे एक खिलाड़ी और इंसान के रूप में विकसित होने में मदद मिली है। अर्शदीप 2019 IPL से पहले PBKS में शामिल हुए और तब से वह टीम का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं, उन्होंने 71 मैचों में 26.82 की औसत और 9 की इकॉनमी रेट से 84 विकेट लिए हैं।

अर्शदीप ने गुरुवार को यूट्यूब पर फ्रेंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, 'जब से मैं पंजाब किंग्स में आया हूं, पहले साल को छोड़कर, मुझे अपनी भूमिका में वरिष्ठता महसूस होने लगी है। मैं पिछले सात सालों से इस टीम से जुड़ा हुआ हूं और टीम के साथ अपना पहला साल बिताने के बाद मुझे

लगने लगा कि मुझे टीम में बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इससे मुझे एक खिलाड़ी और इंसान के रूप में विकसित होने में भी मदद मिली।'

अर्शदीप का सफल आईपीएल सीजन 2021 में आया जब उन्होंने 12 मैचों में 18 विकेट लिए। उन्होंने 2022 में 10 विकेट लिए जिसमें मुंबई इंडियंस के खिलाफ सुपर ओवर में अपनी हिम्मत बनाए रखना भी शामिल है। इसने उन्हें भारत की टी20आई टीम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया, जहां अर्शदीप उस टीम के सदस्य थे जिसने 2024 पुरुष टी20 विश्व कप जीता और आईसीसी पुरुष टी20आई क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी जीता।

अर्शदीप ने आगे बताया कि कैसे इस वरिष्ठता की भावना ने खेल के प्रति उनके दृष्टिकोण को आकार दिया, खासकर उच्च दबाव की स्थितियों में। उन्होंने कहा, 'मेरी भूमिका और विकास में उन्नति बहुत पहले हुई और इसलिए मुझे पता था कि मैं महत्वपूर्ण चरणों में गड़बड़ नहीं कर सकता क्योंकि उन समय, योजना के अनुसार काम नहीं करने से टीम गंभीर संकट में पड़ सकती है। इसलिए, मैं गंभीर हो गया और बहुत जल्दी ही एक वरिष्ठ की तरह महसूस करने लगा।'

उन्होंने ऑनलाइन ट्रोल का सामना करने के अपने दृष्टिकोण के बारे में बात करते हुए अंत में कहा, 'मेरे करियर में उतार-चढ़ाव आए हैं। मैंने बहुत ही कम समय में सबसे ऊंचे मुकाम के साथ-साथ सबसे निचले मुकाम को भी देखा है। लेकिन मैं इन ट्रोल्स से बहुत खुश हूं। मैं उनकी रचनात्मकता और मीम्स पर हंसता हूं। पहले, मैं इन मीम्स और संदेशों को सहेज कर रखता था ताकि बाद में उनका इस्तेमाल कर सकूं, लेकिन अब मुझे लगता है कि इनका कोई मतलब नहीं है। हालांकि, मुझे अभी भी लोगों की रचनात्मकता को देखने में मजा आता है।' पंजाब का अगला मुकाबला शुक्रवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा।

आईपीएल से पहले नेट में इस कारण गेंदबाजी नहीं करते हैं नरेन: बिस्ला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाज सुनील नरेन ने आईपीएल मैच से पहले नेट में गेंदबाजी नहीं करते हैं। वहीं आमतौर पर सभी गेंदबाज मैच से पहले लय हासिल करने नेट अभ्यास करते हैं। नरेन बिना नेट अभ्यास के ही मैच में अच्छी गेंदबाजी करते है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में नरेन ने 3 ओवर में केवल 14 रन देकर ही 2 खिलाड़ियों को आउट कर दिया। केकेआर के पूर्व खिलाड़ी मनविंदर बिस्ला ने कहा है कि नरेन को नेट्स में गेंदबाजी करने में कोई रुचि नहीं है। इसका एक कारण ये ही है कि वे नहीं चाहते है कि बल्लेबाज उनकी गेंदबाजी को पहले ही पढ़ लें क्योंकि आज टीम में शामिल बल्लेबाज ही कुछ साल बाद दूसरी टीम के लिए भी खेल सकते हैं। बिस्ला के मुताबिक नरेन की सफलता का राज भी नेट में गेंदबाजी नहीं करना है। बिस्ला केकेआर में विकेटकीपर के तौर पर खेला करते थे। उन्हें नरेन से कहना पड़ता था कि वो उन्हें 12 से 13 गेंद फेंक दे, जिससे वो उनकी गेंदबाजी में पड़ने वाली विविधता को समझ सकें क्योंकि उन्हें विकेटकीपिंग कीपिंग के दौरान कैच और स्टंपिंग करना होता था। इसके बाद नरेन ने बिस्ला को कुछ गेंदे फेंकी थी जिससे उन्हें नरेन की गेंदबाजी की विविधता समझ आई।

केकेआर ने आईपीएल में तीन ट्रॉफी जीती है। इस दौरान नरेन ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। नरेन आईपीएल में तीन बार मोस्ट वैलुएबल प्लेयर ऑफ द सीजन भी रहे हैं। केकेआर ने पिछले सत्र में खिताब जीता था। तब भी नरेन ने अच्छा प्रदर्शन किया था। उस समय नरेन ने 180 के ऊपर के स्ट्राइक रेट से 488 रन बनाए थे। साथ ही में 6.69 की इकॉनमी रेट से 17 विकेट लिए थे। वहीं इस सत्र में भी उन्होंने 190 की स्ट्राइक रेट से 130 रनों के साथ ही 6 मैचों में 7 विकेट भी लिए हैं।

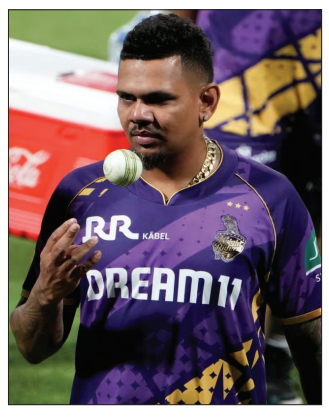

सुरुचि सिंह-सौरभ चौधरी ने जीता 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक

लीमा । भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह और सौरभ चौधरी ने आईएसएसएफ विश्वकप 2025 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया है। बुधवार को हुई स्पर्धा में सुरुचि और सौरभ ने स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में 8-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए चीन की याओ कियानक्सुन और हू काई की जोड़ी को 17-9 से हराया। इस वर्ष आईएसएसएफ विश्वकप में सुरुचि का यह तीसरा स्वर्ण और कुल मिलाकर चौथा पदक था। उन्होंने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में और मंगलवार को लीमा में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल निशानेबाजी स्पर्धा जीत दर्ज की थी। उन्होंने ब्यूनस आयर्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में सौरभ के साथ कांस्य पदक भी जीता था। दूसरी ओर, सौरभ ने भी पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर लगभग तीन वर्षों में आईएसएसएफ विश्वकप में अपना पहला व्यक्तिगत पदक जीता था। इस बीच, 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के कांस्य पदक मैच में मनु भाकर और रविंदर सिंह को चीन के मा कियानके और झांग यिफान की जोड़ी ने 16-6 से हराया। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वालीफिकेशन राउंड में सुरुचि सिंह (291) और सौरभ चौधरी (289) ने कुल 580 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था।

बॉश वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम से बाहर, इस प्लेयर को मिली जगह

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी ऑलराउंडर एनेके बॉश श्रीलंका और भारत के खिलाफ 27 अप्रैल से 11 मई तक होने वाली वनडे त्रिकोणीय सीरीज से बाहर हो गई हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को कहा कि एनेके बीमारी के कारण इस दौरे से बाहर हो जाएंगी। उनकी जगह लारा गुडॉल को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है, जिन्हें मूल रूप से इस दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया था। बाएं हाथ की मध्यक्रम की बल्लेबाज लारा ने आखिरी बार पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के लिए वनडे खेला था और हाल ही में उन्हें केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर कर दिया गया था। अब उनके पास दक्षिण अफ्रीका के लिए अपने 51 वनडे मैचों में और मैच जोड़ने का मौका है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने एक बयान में कहा, 'बल्लेबाजी ऑलराउंडर एनेके बॉश को 27 अप्रैल से 11 मई तक श्रीलंका और भारत के खिलाफ होने वाली प्रोटियाज महिलाओं की आगामी एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। बॉश बीमारी के कारण दौरे से बाहर रहेंगी और एहतियात के तौर पर उनकी जगह 15 खिलाड़ियों की टीम में वर्ल्ड स्पोर्ट्स बेटिंग वेस्टर्न प्रोविंस की बल्लेबाज लारा गुडॉल को शामिल किया गया है।'

अभिषेक नायर पर बीसीसीआई की बड़ी कार्रवाई, फील्डिंग कोच को भी दिखाया बाहर का रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में टीम के खराब प्रदर्शन और ड्रेसिंग रूम में कथित लीक के बाद भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर को बर्खास्त करने का फैसला किया। फील्डिंग कोच टी दिलीप और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को भी हटा दिया गया है क्योंकि उनका राष्ट्रीय टीम के साथ तीन साल का अनुबंध समाप्त हो गया है।

भारत ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में ऑस्ट्रेलिया से 3-1 से निराशाजनक हार के बाद लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2023-25 के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का अवसर खो दिया। रिपोर्ट के अनुसार मेलबर्न टेस्ट के पूरा होने के बाद, टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर चौथे टेस्ट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बहुत खुश नहीं थे और उन्होंने खिलाड़ियों को यह बात बताई।

सिडनी टेस्ट की शुरुआत से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए गंभीर ने रिपोर्ट्स पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि ड्रेसिंग रूम के अंदर कुछ बातें थीं। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'टीम के लिए महान चीजें हासिल करने के लिए 'ईमानदारी' बेहद जरूरी है। वे सिर्फ रिपोर्ट्स हैं, यह सच नहीं है और मुझे नहीं लगता कि मुझे किसी भी रिपोर्ट का जवाब देने की जरूरत है, ईमानदारी से कहूं तो। और कुछ ईमानदार बातें हैं। मैं बस इतना ही कह सकता हूं। ईमानदारी बहुत जरूरी है। अगर आप आगे बढ़ना चाहते हैं और कुछ महान चीजें हासिल करना चाहते हैं तो ईमानदारी बेहद जरूरी है।'

बीसीसीआई के एक सूत्र के अनुसार अभिषेक नायर और एक अन्य सहायक कोच रेयान टेन डोशेट 2025 की शुरुआत में जांच के दायरे में थे, क्योंकि बीसीसीआई टीम प्रबंधन में स्पष्ट 'कोलकाता नाइट राइडर्स टच' से खुश नहीं था। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक नायर और नीदरलैंड के पूर्व क्रिकेटर रेयान टेन डोएशेट 8 महीने पहले श्रीलंका के व्हाइट-बॉल दौरे के दौरान सहायक कोच के रूप में टीम इंडिया के सहयोगी स्टाफ में शामिल हुए थे। नायर और डोएशेट केकेआर में भी सहायक कोच थे और गंभीर के साथ काम करते थे। गंभीर की सलाह के तहत, कोलकाता स्थित फ्रैंचाइजी ने फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग का 2024 संस्करण जीता।

इससे पहले बीसीसीआई ने एक नोटिस जारी कर कहा था कि राष्ट्रीय टीम के सहयोगी स्टाफ को अगर वे टीम के साथ तीन साल पूरे कर लेते हैं तो उन्हें सेवाओं से हटा दिया जाएगा। टी दिलीप और सोहम देसाई को उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया गया है क्योंकि उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के साथ

अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। टी दिलीप भारत की उस टीम का हिस्सा थे जिसने 2024 में आईसीसी टी20 विश्व कप और इस साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।

तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है।अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे-

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी-कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी (3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान (5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ - त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है। छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अत- जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण सें पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

आमतौर पर हम सभी जानते हैं कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते हैं, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे-धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री-रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री-रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री-रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हट तक घट गया।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पाटर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हडिड्यां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत ने बांग्लादेश को इशारों ही इशारों में समझाकर कहा- हमसे व्यापार युद्ध में न उलझो

नई दिल्ली।

बांग्लादेश ने भारत से अच्छे भले रिश्ते खराब कर लिए हैं। भारत ने बांग्लादेश की हालिया व्यापारिक नीतियों और बयानों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। हालांकि, इसके बावजूद भारत सरकार ने संकेत दिए हैं कि वह तत्काल जवाबी कार्रवाई (टिट-फॉर-टैट) से बचने की कोशिश करेगी ताकि दोनों देशों के बीच संबंधों को और खराब होने से रोका जा सके। भारत का स्पष्ट कहना है कि वह बांग्लादेश के साथ किसी भी तरह के व्यापार युद्ध में नहीं उलझना चाहता, भले ही ढाका की ओर से व्यापार को लेकर संकेत सकारात्मक नहीं रहे हैं। बांग्लादेश ने हाल ही में भारत से भूमि सीमा के जरिए धागा (यार्न) आयात पर रोक लगा दी।

दरअसल इससे पहले भारत ने 2020 में बांग्लादेश को दी गई ट्रांस-शिपमेंट सुविधा को वापस ले लिया था। हालांकि भारतीय सरकारी सूत्रों का कहना है कि बांग्लादेश को दी गई ट्रांस-शिपमेंट सुविधा को समाप्त करने का उद्देश्य केवल भारत के बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर भीड़ कम करना था।

भारत ने यह सुनिश्चित किया है कि इस फैसले से नेपाल और भूटान को बांग्लादेश से होने वाले निर्यात पर कोई असर न पड़े, जो भारतीय जमीन से होकर जाता है। बांग्लादेश की ओर से लगातार आ रहे भारत-विरोधी बयानों और व्यापारिक फैसलों के बीच हाल ही में बैंकॉक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की मुलाकात हुई।

इस दौरान मोदी ने उनसे आग्रह किया कि वे ऐसे बयान देने से बचें जो माहौल को खराब कर सकते हैं। भारत की रणनीतिः संयम और सावधानी भारत ने बांग्लादेश के साथ व्यापार युद्ध से बचने की इच्छा जताई है। सरकारी सूत्रों का कहना है कि भारत दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को महत्व देता है। 2023-24 में भारत-बांग्लादेश व्यापार 12.9 बिलियन डॉलर का था, जिसमें भारत बांग्लादेश को कई उत्पादों पर एकतरफा शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, भारत क्षेत्रीय सहयोग और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन यह सुविधाएं राष्ट्रीय सुरक्षा और पारस्परिक सम्मान के आधार पर दी जाती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत का यह कदम बांग्लादेश को एक संदेश है कि वह एकतरफा शत्रुतापूर्ण कदमों को बर्दाश्त नहीं करेगा, लेकिन साथ ही वह तनाव को और बढ़ाने से बचना चाहता है। पाक से नजदीकियां बढ़ा रहा बांग्लादेश एक ओर जहां बांग्लादेश भारत के साथ व्यापार पर अंकुश लगाने की दिशा में बढ़ रहा है, वहीं उसने पाकिस्तान के साथ सीधे व्यापार की बहाली भी शुरू कर दी है। फरवरी में बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 50,000 टन चावल खरीदने का फैसला किया, जो ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ पाकिस्तान के माध्यम से होगा।इन घटनाओं के बीच भारतीय अधिकारियों की चिंता और भी गहरी हो गई है, क्योंकि बांग्लादेश में कट्टरपंथ के बढ़ते संकेत और पाकिस्तान के साथ बढ़ती नजदीकियां क्षेत्रीय सुरक्षा के लिहाज से चिंताजनक मानी जा रही हैं। भारत पाकिस्तान को वैश्विक आतंकवाद का केंद्र मानता है।

केसरी को लेकर रणदीप हुड्डा ने कहा फिल्म बीच में बंद होने से टूट गया था दिल

सिख सैनिक की भूमिका निभाने तीन साल तक नहीं कटवाए थे बाल

मुंबई।

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा फिल्म जाट को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने एक पॉडकास्ट में हिस्सा लिया जहां उन्होंने न सिर्फ फिल्म जाट के बारे में खुलकर बात की, बल्कि पहली बार उस अधूरे प्रोजेक्ट का भी जिक्र किया जो उनके दिल के बेहद करीब था। पॉडकास्ट की शुरुआत में रणदीप से जब पूछा गया कि जाट फिल्म उनके लिए कितनी खास है, तो उन्होंने जवाब दिया यह फिल्म सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि मेरे दिल का एक हिस्सा है। इसमें मैंने एक्टिंग के साथ-साथ डायरेक्शन भी किया है। बैटल ऑफ सारागढ़ी फिल्म को लेकर रणदीप की आंखें नम हो गईं। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस फिल्म के लिए अपने तीन साल दिए थे। सिख सैनिक की भूमिका निभाने के लिए बाल नहीं कटवाए थे, पूरी तरह से उस किरदार में डूब गया था, लेकिन जब फिल्म बीच में ही बंद हो गई, तो दिल टूट गया। रणदीप ने यह भी खुलासा किया कि फिल्म का करीब 35-40 फीसदी हिस्सा शूट हो चुका था। हमने रिसर्च, ट्रेनिंग, स्क्रिप्ट और शूटिंग हर चीज पर मेहनत की थी। इतिहास को सही तरीके से दिखाने का सपना था, लेकिन प्रोड्यूसर और स्टूडियो की प्राथमिकताएं बदल गईं और फिर 'केसरी' रिलीज़ हो गई। पॉडकास्ट में जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें अक्षय कुमार या केसरी फिल्म से कोई शिकायत है, तो रणदीप ने कहा कि अगर मुझे पता होता कि कोई पहले से इतने साल मेहनत कर रहा है, तो शायद मैं वह फिल्म न करता। इंडस्ट्री में हमें एक-दूसरे की मेहनत का सम्मान करना चाहिए। मैंने अब तक सोशल मीडिया पर कुछ नहीं कहा, लेकिन जब आपने पूछा तो सच बता रहा हूं। रणदीप के इंटरव्यू का एक हिस्सा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। फैन्स और आम दर्शक रणदीप की ईमानदारी की सराहना कर रहे हैं। कई लोगों ने लिखा- रणदीप एक सच्चे कलाकार हैं, जो केवल एक्टिंग नहीं करते, बल्कि हर रोल को आत्मा से जीते हैं। रणदीप ने बताया कि उनकी फिल्म जाट में इतिहास के उन पहलुओं को दिखाया गया है, जिन्हें आज की पीढ़ी नहीं जानती। हमारा इतिहास केवल मुगलों और अंग्रेजों तक सीमित नहीं है।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में भारत को दो शिंकानसेन ट्रेन मुफ्त में देगा जापान

करीब 71 प्रतिशत काम लगभग पूरा

मुंबई।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट) के लिए जापान भारत को दो शिंकानसेन ट्रेन ई5 और ई3 मुफ्त में देगा। इनकी डिलीवरी 2026 की शुरुआत में हो सकती है। 508 किमी लंबे कॉरिडोर में 360 किमी यानी करीब 71 प्रतिशत काम लगभग पूरा हो चुका है।

इसके बाद कॉरिडोर का कुछ हिस्सा अगस्त, 2027 में शुरू किया जा सकता है। तब तक भारत के तापमान और धूल जैसी चुनौतियों के बीच ट्रेन का ट्रायल करके महत्वपूर्ण डेटा एकत्रित किया जाएगा। जापान इस समय बुलेट ट्रेन के ई10 मॉडल पर काम चल रहा है। यह ई3 और ई5 की तुलना में काफी तेज और माडर्न होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक ई10 को दोनों देशों यानी भारत और जापान में एक साथ ट्रैक पर उतारने पर मंथन चल रहा है। हालांकि ई10 को तैयार होने में वक्त लगेगा, इसकारण ई3 और ई5 से काम चलेगा। इन दोनों ट्रेनों से मिले डेटा के आधार पर ई10 को अपग्रेड किया जाएगा।

इन ट्रेनों में ज्यादा सामान रखने की जगह और कठोर मौसम में ढलने लायक बनाया जा रहा है।

देश की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी पीएम शिंजो आबे ने 14 सितंबर 2017 को अहमदाबाद में प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया था।

दोनों शहरों के बीच 508 किमी का सफर बुलेट ट्रेन तीन घंटे में तय करेगी।

अभी दुरंतो से इतने सफर में साढ़े पांच घंटे में तय करती है। वहीं, नॉर्मल ट्रेन से सात-आठ घंटे लगते हैं।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले शुरु हुआ पोस्टर वॉर

यूथ कांग्रेस ने पोस्टर में सीएम नीतीश को बताया फेलियर

पटना।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। चुनावी बयानबाजी के साथ पोस्टर वार भी शुरू हो गया है। यूथ कांग्रेस ने पटना के कई इलाकों में पोस्टर चिपकाए हैं, जिसमें सीएम नीतीश कुमार के 20 साल के कार्यकाल को फेलियर बताया है। पोस्टर में लिखा है- देख लिया है साल 20, नहीं चलेंगे चाचा नीतीश। इस पोस्टर में नीतीश कुमार की फोटो भी लगाई गई है, जिसमें वह अपना सिर पकड़े हुए नजर आ रहे हैं। इसके अलावा फोटो के चारों ओर अपराध, भ्रष्टाचार, असुरक्षित महिलाएं, बेरोजगारी और पलायन जैसे मुद्दों को दर्शाया गया है। इससे पहले बुधवार को जेडीयू ऑफिस में लगे पोस्टर को बदला गया था। पुराने पोस्टरों को हटाकर सीएम नीतीश कुमार की तस्वीर के साथ नई टैगलाइन और स्लोगन वाले पोस्टर लगाए गए हैं। इसके जरिए से सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और नीतीश कुमार की छवि को जनता के सामने लाने की कोशिश की गई है। एक पोस्टर पर लिखा है, 2025 से 2030 फिर से नीतीश कुमार जो स्पष्ट रूप से सीएम के कार्यकाल को आगे बढ़ाने की मंशा को दर्शाता है। साथ ही इन पोस्टरों के जरिए जदयू ने यह संकेत भी दिया है

कि सीएम नीतीश ही पार्टी का चेहरा बने रहेंगे। अन्य पोस्टरों में रोजगार, महिला सशक्तिकरण और सुशासन की उपलब्धियों को दिखाया गया है।

हीमोफीलिया एक जेनेटिक बीमारी, भारत में 5000 जन्में बच्चों में एक इससे पीड़ित

नई दिल्ली।

हीमोफीलिया एक जेनेटिक रक्त विकार है, जिसमें खून का थक्का बनने की प्रक्रिया धीमी या अवरुद्ध हो जाती है। इससे चोट लगने पर रक्तस्राव को कंट्रोल करना मुश्किल होता है। कुछ मरीजों में मामूली खरोंच भी गंभीर बन सकती है। यह बीमारी मुख्य रूप से पुरुषों में ज्यादा होती है और यह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में जा सकती है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों का कहना है कि भारत में हर पांच हजार पुरुष जन्मों में से यह विकार एक को हो सकता है। बता दें हर साल 17 अप्रैल को विश्व हीमोफीलिया दिवस मनाया जाता है। यह दिन एक ऐसे रक्त विकार की ओर ध्यान दिलाता है, जो आम लोगों की जानकारी से अक्सर बाहर रह जाता है, परंतु इससे जूझ रहे मरीजों के लिए यह रोजमर्रा की एक बड़ी चुनौती है। इस रोग की पुष्टि विशेष रक्त जांचों के जरिए की जाती है, जिनमें क्लॉटिंग फैक्टर की मात्रा देखी जाती है। इसके अलावा, जिन परिवारों में यह बीमारी पहले से है, वहां गर्भावस्था में ही इसका जेनेटिक परीक्षण भी कराया जा सकता है। अब तक इस बीमारी का स्थायी इलाज नहीं है लेकिन फैक्टर

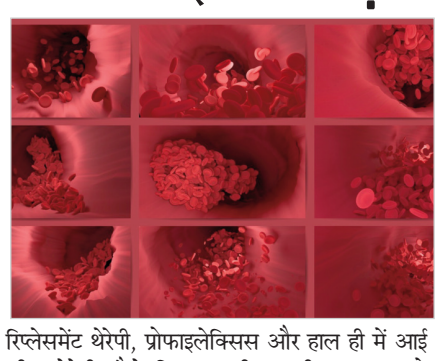

रिप्लेसमेंट थेरेपी, प्रोफाइलेक्सिस और हाल ही में आई जीन थेरेपी जैसे विकल्प जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बना सकते हैं। चिकित्सकों की मानें तो इस बीमारी की समय रहते पहचान हो जाए और इलाज की निरंतरता चलता रहे तो ज्यादातर मरीज पढ़ाई, नौकरी और सामान्य जीवन जी सकते हैं। समाज को इन रोगियों को समझने और सहयोग देने की ज़रूरत है। हीमोफीलिया कोई अभिशाप नहीं है, बशर्ते समाज, चिकित्सा व्यवस्था और सरकार मिलकर इस ओर सहयोग करें। वह कहते हैं, विश्व हीमोफीलिया दिवस एक ऐसा अवसर है, जब हम इन मरीजों के लिए समझ, सुविधा और सम्मान का वातावरण बनाते हैं।

हम पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष हैं, हमारे लिए एक पक्ष या दूसरा पक्ष समान: सीजेआई

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को शामिल करने के समर्थन में केंद्र द्वारा पेश की गई उस दलील पर कड़ा संज्ञान लिया कि इस तर्क के मुताबिक हिंदू जजों की पीठ को वक्फ से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई नहीं करनी चाहिए। सीजेआई संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के उन प्रावधानों पर सवाल कर रही थी जो केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति की अनुमति देते हैं।

सीजेआई ने कहा कि क्या आप ये सुझाव दे रहे हैं कि मुस्लिमों समेत अल्पसंख्यकों को भी हिंदू धार्मिक संस्थानों का प्रबंधन करने वाले बोर्ड में शामिल किया जाना चाहिए? कृपया इसे खुलकर बताएं। मामले में केंद्र का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रावधानों का बचाव करते हुए जोर दिया कि गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना सीमित है और इन निकायों की मुख्य रूप से मुस्लिम संरचना को प्रभावित नहीं करता है। सीजेआई ने कहा कि नहीं, माफ कीजिए मिस्टर मेहता, हम केवल न्याय निर्णय के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। जब हम यहां बैठते हैं, तो हम किसी धर्म के मानने वाले नहीं रह जाते हैं। हम पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष हैं। हमारे लिए, एक पक्ष या दूसरा पक्ष समान है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि गैर-मुस्लिम भागीदारी पर आपत्ति तार्किक रूप

से न्यायिक निष्पक्षता तक विस्तारित हो सकती है और उस तर्क से, पीठ स्वयं मामले की सुनवाई करने से ''अयोग्य'' हो जाएगी। मेहता ने कहा कि यदि वैधानिक बोर्ड में गैर-मुस्लिमों की उपस्थिति पर आपत्ति स्वीकार कर ली जाती है, तो वर्तमान पीठ भी मामले की सुनवाई नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि तब यदि हम उस तर्क के मुताबिक चलते हैं, तो मौजूदा पीठ के न्यायाधीश इस मामले की सुनवाई नहीं कर सकते।

मनमानी फीस वसूलने की शिकायतों पर दिल्ली की रेखा सरकार ने लिया एक्शन

600 निजी स्कूलों का निरीक्षण कर कई को भेजा कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली।

दिल्ली की रेखा सरकार ने मनमाने ढंग से फीस बढ़ोतरी की मिली शिकायतों के बाद 600 निजी स्कूलों का निरीक्षण किया और 10 से ज्यादा स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। एक बयान के मुताबिक दिल्ली शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने मनमाने ढंग से और ज्यादा फीस बढ़ोतरी की मिली शिकायतों के बाद निजी स्कूलों की जांच के लिए जिला स्तरीय समितियों का गठन किया है।

एसडीएम की अध्यक्षता वाली इन समितियों में शिक्षा उपनिदेशक, लेखा अधिकारी और सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्य शामिल किए गए हैं। टीम को निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया है, जिनमें शिक्षा निदेशालय को मिली शिकायतों में खासतौर पर उल्लेखित स्कूल शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि दिल्ली के अब तक 600 से ज्यादा स्कूलों का निरीक्षण किया जा चुका है और यह प्रक्रिया अभी जारी है। शिक्षा निदेशालय ने कहा कि मुनाफाखोरी के लिए मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करने के लिए दोषी पाए स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसमें कहा गया कि 10 से ज़्यादा ऐसे स्कूलों को पहले ही नोटिस दिया जा चुका है। शिक्षा निदेशालय ने कहा कि गंभीर मामलों में मान्यता रद्द करने और स्कूल प्रबंधन को अपने नियंत्रण में लेने जैसी कार्रवाई पर भी विचार किया जा रहा है। बता दें बुधवार को कई अभिभावकों ने दिल्ली शिक्षा निदेशालय कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था और बढ़ी हुई स्कूल फीस को वापस लेने और मामले में अधिकारियों से हस्तक्षेप करने की मांग की थी। दिल्ली में निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों द्वारा अनियमित और अत्यधिक फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अभिभावकों द्वारा लंबे समय से शिकायतें की जा रही हैं। उन्होंने स्कूलों पर दबाव डालने का भी आरोप लगाया है, जिसमें बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रवेश पत्र देने से इनकार करना और अनधिकृत शुल्क का भुगतान न करने पर छात्रों के नाम काटने की धमकी देना शामिल है। मीडिया

रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने 15 अप्रैल को उन निजी स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया था, जिन्होंने मनमाने ढंग से फीस बढ़ाई है। निजी स्कूलों के लिए शून्य सहनशीलता की नीति को व्यक्त करते हुए सीएम गुप्ता ने कहा कि सरकार कार्रवाई करेगी और उन संस्थानों को नोटिस भेजेगी जिनके बारे में अभिभावकों ने शिकायत की हैं।

सोनिया-राहुल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने को लेकर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

अजमेर के गांधी भवन पर कांग्रेसियों ने पीएम मोदी का पुतला जलाया

अजमेर।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट पेश की है। इसके विरोध में अजमेर के गांधी भवन पर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने पीएम मोदी का पुतला जलाया और रास्ता जाम कर दिया। कांग्रेस नेताओं ने संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

गुरुवार को अजमेर शहर कांग्रेस जिला अध्यक्ष विजय जैन के नेतृत्व में कांग्रेसी गांधी भवन पर जमा हुए और पीएम मोदी के खिलाफ प्रदर्शन पुतला भी फूंका। आक्रोशित कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कुछ देर के लिए रास्ता भी जाम कर दिया।

जैन ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में बीजेपी राहुल गांधी और सोनिया गांधी को दोषी करार करने में जुटी है। देश में संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। इसका कांग्रेस विरोध कर रही है।

कांग्रेस नेता महेंद्र सिंह रलावता ने कहा कि देश के अंदर लोकतंत्र को तोड़ने के लिए तमाम मर्यादाएं बंद कर दी गई हैं। संविधान और सिद्धांतों को तोड़ने का काम किया जा रहा है। जिस केस में 1 रुपए का लेनदेन नहीं हुआ जिस पर ईडी की ओर से चार्जशीट पेश की गई है।

इससे बड़ा दुर्भाग्य नहीं हो सकता है। राजनीतिक दबाव में कार्रवाई करवाई जा रही है। पीएम मोदी ने 2014 के बाद से 122 लोगों के ऊपर कारवाई करवाई है। जिसमें 99 फीसदी कांग्रेस के लोग हैं। वहीं कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के समर्थन में सभी कांग्रेसी आज सड़कों पर उतरे हैं।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल आर्लेकर की सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर की गई टिप्पणी अस्वीकार्यः विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल के सीएम पिनरायी विजयन ने राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के संबंध में की गई टिप्पणी को अस्वीकार्य करार दिया है, हालांकि यह भी कहा कि राज्यपाल अपने पूर्ववर्ती की तरह नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिन पहले अपने एक ऐतिहासिक फैसले में 10 विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ रोककर रखने के लिए तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि को कड़ी फटकार लगाई और राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपाल की कार्रवाई के लिए समय सीमा तय कर दी थी। विजयन ने कहा कि आमतौर पर राज्यपाल को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विपरीत रुख नहीं अपनाना चाहिए, लेकिन इस मामले में ऐसा करने के पीछे 'राजनीतिक कारण है। सीएम ने कहा कि यहां यही हुआ है, इसलिए ऐसा रुख अस्वीकार्य है। राज्यपाल आर्लेकर ने कथित तौर पर कहा कि न्यायालय द्वारा विधेयकों के संबंध में समयसीमा तय करना न्यायपालिका द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करना है। विजयन ने कहा कि नए राज्यपाल अपने पूर्ववर्ती की तरह नहीं हैं। वह सरकार के साथ अच्छा सहयोग कर रहे हैं।

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में 26,000 बर्खास्त शिक्षकों को राहत

नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने करीब 26,000 बर्खास्त शिक्षकों को राहत दे दी है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि जिन शिक्षकों की नियुक्ति रद्द हुई है, वे नई चयन प्रक्रिया पूरी होने तक पढ़ाना जारी रखे हैं। हालांकि उनका नाम 2016 के घोटाले मामले में नहीं आया हो। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम नहीं चाहते कि बच्चों की पढ़ाई कोर्ट के फैसले से बाधित हो जाए। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि बंगाल स्कूल सर्विस कमिशन (एसएससी) को 31 मई तक भर्ती प्रक्रिया का नोटिफिकेशन जारी करना होगा। और 31 दिसंबर तक चयन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। बंगाल सरकार और एसएससी को 31 मई तक भर्ती का विज्ञापन जारी कर उसका पूरा शेड्यूल शीर्ष अदालत को सौंपना होगा। तय समय में प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर कोर्ट से उचित कार्रवाई और जुर्माना लगाएगा। हालांकि, ग्रुप सी और ग्रुप डी के नॉन टीचिंग स्टाफ के कर्मचारियों को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने दो टूक कहा कि इसमें से ज्यादातर कर्मचारियों पर आरोप सिद्ध हुए हैं।

अजमेर दरगाह का मामला पहुंचा हाईकोर्ट, कमेटी ने सुनवाई पर रोक की मांग की

जयपुर। अजमेर में ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में शिव मंदिर होने के दावे का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। गुरुवार को जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की कोर्ट में खादिमों की संस्था अंजुमन सैयद जादगान की याचिका (मंदिर के दावे की सुनवाई पर रोक लगे) पर सुनवाई हुई। कमेटी के वकीलों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह के किसी भी वाद पर कोर्ट में सुनवाई पर रोक लगा रखी है। ये आदेश प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 की कानूनी मान्यता को चुनौती देने वाली याचिका पर दिया गया था। उसके बाद भी अजमेर सिविल कोर्ट इस वाद को सुन रही हैं। इसकारण इसकी सुनवाई पर रोक लगाई जाए। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से एडिश्नल सॉलिसिटर जनरल आरडी रस्तोगी ने अंजुमन कमेटी की याचिका का विरोध कर कहा कि कमेटी वाद में पार्टी नहीं है। इसके बाद वह हाईकोर्ट में याचिका दायर नहीं कर सकती है। यह याचिका चलने योग्य नहीं हैं। कोर्ट अब मामले में एक सप्ताह बाद फिर से सुनवाई करेगी।

राजस्थान के 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी, तेलंगाना में 15 दिनों तक लू की आशंका

नई दिल्ली। राजस्थान में इनदिनों भीषण गर्मी और लू का दौर जारी है। मौसम विभाग ने गुरुवार को जयपुर, जोधपुर सहित 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी दी है। इसमें से 4 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इससे पहले बुधवार को जैसलमेर में दिन का अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो 6 साल में अप्रैल का सर्वाधिक तापमान है। मध्य प्रदेश में भी बारिश के बाद गर्मी अपने शाबव पर है। प्रदेश के 9 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। सबसे गर्म रतलाम रहा। जहां तापमान 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। गुरुवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में भी तापमान बढ़ सकता है। उधर, तेलंगाना के 28 जिलों में करीब 15 दिनों तक लू की आशंका है। यह देखकर कांग्रेस सरकार ने लू को आपदा घोषित कर दिया है। तेलंगाना सरकार ने लू लगने से मरने वालों के परिजन को 4 लाख रुपए की सहायता का भी ऐलान किया है। तेलंगाना ऐसा करने वाला संभवतः देश का पहला राज्य है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मालदीव ने इजरायली नागरिकों के प्रवेश पर लगाया प्रतिबंध, फिलिस्तीन के समर्थन में उठाया बड़ा कदम

माले, एजेंसी। मालदीव में अब इजरायली पासपोर्ट वाले व्यक्तियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. मंगलवार को मालदीव ने अपने आव्रजन अधिनियम में तीसरे संशोधन को मंजूरी दी. जिसके बाद से इजरायल के लोग मालदीव नहीं जा सकेंगे. मालदीव का यह निर्णय फिलिस्तीन में इजरायल की कार्रवाइयों के खिलाफ सरकार के कड़े रुख को दर्शाता है. मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय के बयान के अनुसार, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव आव्रजन अधिनियम (कानून संख्या 01/2007) में तीसरे संशोधन की पुष्टि की है, जिसे 15 अप्रैल 2025 को आयोजित वर्ष के पहले सत्र की 20वीं बैठक में पीपुल्स मजलिस द्वारा पारित किया गया था. संशोधन आव्रजन अधिनियम में एक नया प्रावधान जोड़ता है, जो स्पष्ट रूप से इजरायली पासपोर्ट रखने वाले व्यक्तियों के मालदीव के क्षेत्र में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाता है. मालदीव के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, यह निर्णय फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ इजरायल द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और नरसंहार के निरंतर कृत्यों के जवाब में सरकार के दृढ़ रुख को दर्शाता है. इसमें कहा गया कि मालदीव सरकार फिलिस्तीनी मुद्दे के प्रति अपनी दृढ़ एकजुटता तथा फिलिस्तीनी लोगों के अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति अपनी स्थायी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है. बता दें कि मालदीव विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर इजरायल की कार्रवाइयों की निंदा करता रहा है. राष्ट्रपति मुइज्जू ने लगातार दोहराया है कि मालदीव संयुक्त राष्ट्र के प्रासंगिक प्रस्तावों और अंतर्राष्ट्रीय कानूनी मानदंडों के अनुरूप, 1967 से पूर्व की सीमाओं के आधार पर एक स्वतंत्र और संप्रभु फिलिस्तीन राज्य की स्थापना के लिए सैद्धांतिक समर्थन रखता है, जिसकी राजधानी पूर्वी येरुशलम होगी.

अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता का आया भूकंप, जानमाल के नुकसान की खबर नहीं

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान बुधवार तड़के एक बार फिर तेज भूकंप के झटकों से हड़कंप मच गया. इस भूकंप के चलते किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है. सरकार की ओर से भूकंप से हुए नुकसान को लेकर आकलन किया जा रहा है. नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार अफगानिस्तान में 5.9 तीव्रता का भूकंप आया है. भूकंप बुधवार सुबह भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार सुबह 04:43 बजे आया. एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी शेयर करते हुए कहा कि भूकंप 75 किलोमीटर की गहराई पर आया. इसका केंद्र हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला था. बता दें कि इससे पहले 16 जनवरी को अफगानिस्तान में भूकंप आया था. भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.2 मापी गई. किसी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं मिली. मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के अनुसार अफगानिस्तान मौसमी बाढ़, भूस्खलन और भूकंप सहित प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बना हुआ है. यूएनओसीएचए ने कहा कि अफगानिस्तान में लगातार आने वाले भूकंपों से कमजोर समुदायों को नुकसान पहुंचता है. ये पहले से ही दशकों के संघर्ष और बदहाली से जूझ रहा है. उनके पास एक साथ आने वाले कई झटकों से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं है. जानकारों के अनुसार अफगानिस्तान में भूकंपों का इतिहास रहा है. हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र है, जहां हर साल भूकंप आते हैं. अफगानिस्तान भारतीय और यूरेशियाई टेक्टोनिक प्लेटों के बीच अनेक भ्रंश रेखाओं पर स्थित है, जिसमें एक भ्रंश रेखा सीधे हेरात से होकर गुजरती है।

ओलाफ स्कोल्ज के लिए वीआईपी काफिले में घुसा शख्स, 4,500 यूरो का लगा जुर्माना

बर्लिन, एजेंसी। जर्मन न्यूज एजेंसी डीपीए के अनुसार देश की एक अदालत ने 2023 में चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के लिए वीआईपी काफिले में घुसने और फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे पर विमान में चढ़ने की तैयारी करते समय उन्हें गले लगाने के लिए एक व्यक्ति पर जुर्माना लगाया है. डीपीए ने मंगलवार को बताया कि अदालत ने 50 वर्षीय व्यक्ति पर 4,500 यूरो (लगभग 5,093 डॉलर) का जुर्माना लगाया और सड़क यातायात को खतरे में डालने और अतिक्रमण करने के लिए ढाई साल तक गाड़ी चलाने पर प्रतिबंध लगा दिया. रिपोर्ट के मुताबिक जर्मन प्राइवेसी नियमों के चलते स्कोल्ज के गले लगने वाले व्यक्ति का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया. हालांकि, स्कोल्ज की सुरक्षा की जांच शुरू हो गई. घटना में चांसलर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा. यह घटना तब हुई जब स्कोल्ज यूरोपीय सेंट्रल बैंक की 25वीं वर्षगांठ के जश्न के बाद बर्लिन लौट रहे थे. उस समय स्कोल्ज के प्रवक्ता वोल्फांग ब्यूचनर ने पत्रकारों से कहा कि जर्मन नेता को किसी भी समय खतरा महसूस नहीं हुआ. डीपीए ने बताया कि अभियुक्त नशे में था और उसे अपराध के लिए आंशिक रूप से ही जिम्मेदार पाया गया. फिलहाल उस व्यक्ति ने अदालत में माफ़ी मांग ली है. बता दें कि स्कोल्ज के चांसलर के रूप में कार्यकाल समाप्त होने वाला है. जर्मन संसद 6 मई को बैठक कर फ्रेडरिक मर्ज को देश का अगला नेता चुनने की योजना बना रही है, बशर्ते कि उनकी प्रस्तावित सरकार में सभी दल पिछले सप्ताह हुए गठबंधन समझौते को मंजूरी दे दें.

शी चिनफिंग ने सीपीवी महासचिव, वियतनामी राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात की

बीजिंग, एजेंसी। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की केंद्रीय समिति के महासचिव और राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने वियतनाम कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीवी) की केंद्रीय समिति के मुख्यालय में सीपीवी की केंद्रीय समिति के महासचिव टो लैम और वियतनामी प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह से मुलाकात की। उन्होंने वियतनाम के राष्ट्रपति लुओंग कुओंग से भी भेंट की।

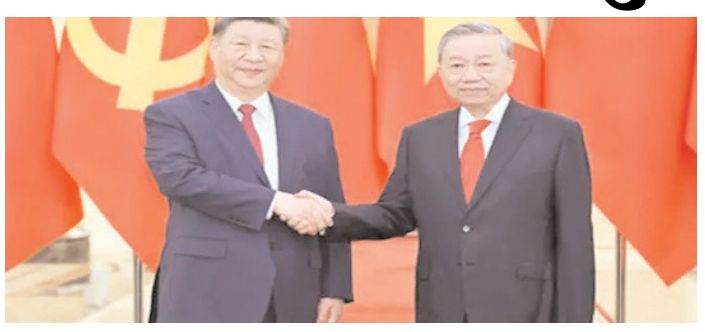

महासचिव टो लैम से मुलाकात के दौरान, शी चिनफिंग ने कहा कि इस साल चीन और वियतनाम के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ और सांस्कृतिक आदान-प्रदान वर्ष है। पिछले 75 सालों में चाहे अंतर्राष्ट्रीय स्थिति में कितना भी परिवर्तन क्यों न आया हो, चीन और वियतनाम हमेशा राष्ट्रीय स्वतंत्रता और मुक्ति के लिए संघर्ष में एक-दूसरे का समर्थन करते हैं, समाजवादी निर्माण के कार्य में एक साथ मिलकर आगे बढ़ते हैं और आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में प्रयास करते हैं। हम समाजवादी देशों के बीच एकता और सहयोग का आदर्श बने हैं। नई ऐतिहासिक शुरुआत पर खड़े होकर हमें अतीत को आगे बढ़ाते हुए भविष्य को खोलना चाहिए। शी चिनफिंग ने आगे कहा कि चीन-वियतनाम साझे भविष्य वाले समुदाय के निर्माण का वैश्विक महत्व है। इससे क्षेत्रीय यहां तक कि पूरी दुनिया की शांति और स्थिरता को प्रभावी ढंग से सुरक्षित रखा जाएगा और समान विकास बढ़ाया जाएगा। शी चिनफिंग ने चीन-वियतनाम साझे भविष्य वाले समुदाय का निर्माण बढ़ाने के लिए छह सूत्रीय उपाय भी पेश किए। वहीं, टो लैम ने कहा कि वियतनाम और चीन दोनों कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले समाजवादी देश हैं। चीन के साथ संबंधों का विकास वियतनाम का रणनीतिक चुनाव और प्राथमिकता है। वियतनाम दृढ़ता से एक चीन की नीति पर कायम रहता है और चीन के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना चाहता है। प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह से मुलाकात के दौरान, शी चिनफिंग ने कहा कि दोनों पक्षों को रणनीतिक सहयोग बढ़ाकर चीन-वियतनाम साझा भविष्य वाले समुदाय के निर्माण का राजनीतिक आधार मजबूत करना चाहिए। उच्च स्तरीय आदान-प्रदान व रणनीतिक संपर्क मजबूत कर एक साथ प्रभुत्ववाद, एकतरफावाद व संरक्षणवाद का विरोध करना चाहिए। वैश्विक विकास पहल, वैश्विक सुरक्षा पहल व वैश्विक सभ्यता पहल का कार्यान्वयन कर संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय निष्पक्षता व न्याय की रक्षा करनी चाहिए, ताकि एशिया यहां तक कि दुनिया की शांति, स्थिरता, विकास और समृद्धि कायम हो सके। फाम मिन्ह चिन्ह ने कहा कि शी चिनफिंग की वर्तमान वियतनाम यात्रा का ऐतिहासिक महत्व है। इससे द्विपक्षीय सहयोग में नई उम्मीद जगेगी। वियतनाम चीन के साथ संबंधों पर बड़ा ध्यान देता है और दृढ़ता से रणनीतिक महत्व वाले चीन-वियतनाम साझे भविष्य वाले समुदाय का निर्माण बढ़ाएगा। चीन अंतर्राष्ट्रीय मामलों में चीन के साथ सहयोग मजबूत करना चाहता है, ताकि एक साथ बहुपक्षवाद और अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। वहीं, वियतनामी राष्ट्रपति लुओंग कुओंग से मुलाकात के दौरान, शी चिनफिंग ने कहा कि पिछले 75 वर्षों में, चीन-वियतनाम संबंध साथियों और भाइयों की पारंपरिक मित्रता से रणनीतिक महत्व के साथ साझा भविष्य वाले समुदाय में विकसित हुए हैं, जिसने देशों के बीच मित्रता, आपसी सहायता, एकता और सहयोग का उदाहरण स्थापित किया है। एक नए ऐतिहासिक प्रारंभिक बिंदु पर खड़े होकर, चीन वियतनाम के साथ रणनीतिक संचार, एकजुटता और सहयोग को मजबूत करने, एक-दूसरे की आधुनिकीकरण प्रक्रिया को बढ़ावा देने, समाजवादी देशों के बीच एकजुट आत्मनिर्भरता, आपसी लाभ और जीत-जीत सहयोग का एक नया अध्याय लिखने और साझा भाग्य वाले चीन-वियतनाम समुदाय के क्षेत्रीय और वैश्विक प्रभाव को लगातार प्रदर्शित करने को तैयार है। लुओंग कुओंग ने कहा कि वियतनाम की इस ऐतिहासिक यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति शी चिनफिंग और महासचिव टो लैम ने वियतनाम और चीन के बीच व्यापक रणनीतिक सहयोग को गहरा करने पर व्यापक सहमति प्राप्त की, जिसने वियतनाम और चीन के बीच राजनीतिक आपसी विश्वास को बहुत बढ़ाया, दोनों देशों के बीच दोस्ती को और मजबूत किया और एक साझा भविष्य वाले वियतनाम-चीन समुदाय के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया। नए युग में चीनी विशेषताओं वाले समाजवाद पर शी चिनफिंग के विचार के मार्गदर्शन में चीन ने महान विकास उपलब्धियां हासिल की हैं। वियतनाम को दृढ़ विश्वास है कि चीन सफलतापूर्वक अपने दूसरे शताब्दी लक्ष्य को प्राप्त करेगा।

रूस-अमेरिका में हो सकती है आर्थिक साझेदारी, व्हाइट हाउस का बड़ा एलान- युद्ध रोका तो बड़ी सौगात देंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को बताया कि रूस अगर यूक्रेन के साथ युद्ध समाप्त करता है तो अमेरिका उसे बड़ी सौगात देगा।

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिका, रूस के साथ आर्थिक साझेदारी भी कर सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि पहले रूस को युद्धविराम करना होगा। व्हाइट हाउस ने यह बात ऐसे वक्त कही है, जब हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की।

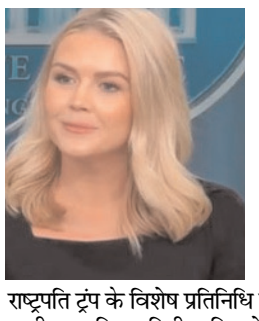

रूस के साथ आर्थिक साझेदारी कर सकता है अमेरिका इस मुलाकात को लेकर व्हाइट हाउस ने कहा कि दोनों के बीच अच्छी बातचीत हुई और हमारा मानना है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी युद्ध समाप्त करना चाहते हैं। व्हाइट हाउस प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि अगर रूस, यूक्रेन के साथ युद्ध को समाप्त करता है तो रूस को बड़ी सौगात मिल सकती है। हो सकता है कि अमेरिका और रूस के बीच आर्थिक साझेदारी हो जाए, लेकिन पहले हम चाहते हैं कि युद्धविराम हो और राष्ट्रपति के प्रतिनिधि विटकॉफ ने राष्ट्रपति पुतिन को यह बात स्पष्ट रूप से बता दी है। ट्रंप ने बाइडन पर लगाया आरोप इससे पहले सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में आरोप लगाया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की वजह से रूस-यूक्रेन युद्ध हुआ। उन्होंने कहा कि अगर 2020 के चुनाव में धांधली न हुई होती तो रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध हुआ ही नहीं होता। पोस्ट में ट्रंप ने लिखा कि रूस और यूक्रेन के बीच का युद्ध बाइडन द्वारा शुरू किया गया युद्ध है, न कि मेरे द्वारा। मेरे पिछले चार साल के कार्यकाल में मैंने इसे होने से रोके रखा। मेरा इस युद्ध से कुछ लेना देना नहीं है, लेकिन मैं इसे रोकने की कोशिश कर रहा हूं। अगर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में धांधली न हुई होती तो यह भीषण युद्ध कभी होता ही नहीं। ट्रंप ने बाइडन के साथ ही यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की पर भी हालात को सही ढंग से नहीं संभालने का आरोप लगाया।

अमेरिकी राज्य वॉशिंगटन की राजधानी में पहली बार बैसाखी समारोह मनाया गया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भी सिख समुदाय के प्रमुख पर्व बैसाखी की धूम रही। वॉशिंगटन की राजधानी ओलंपिया की स्टेट कैपिटल में पहली बार हुए बैसाखी उत्सव में भांगड़ा और गिद्दा जमकर कदम थिरके। वहीं भारतीय अमेरिकी सिख भी खुशी से सराबोर नजर आए। इस अवसर पर भारतीय त्योहार को मनाने के लिए विशेष घोषणाएं की गईं। सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोमवार को ओलंपिया में स्टेट कैपिटल में बैसाखी का पहला उत्सव आयोजित किया। विशेष समारोह में वाशिंगटन राज्य के गवर्नर बॉब फर्ग्यूसन, लेफ्टिनेंट गवर्नर डेनी हेक, राज्य सचिव स्टीव हॉब्स के साथ-साथ राज्य के सीनेटर, वाशिंगटन राज्य विधानमंडल के विधायकों के अलावा वाशिंगटन में रहने वाले सिख समुदाय के प्रमुख सदस्य शामिल हुए। सिएटल वाणिज्य दूतावास ने कहा कि यह कार्यक्रम स्टेट कैपिटल में बैसाखी के त्योहार का पहला ऐसा उत्सव है।

इस विशेष समारोह में वॉशिंगटन राज्य के गवर्नर बॉब फर्ग्यूसन, लेफ्टिनेंट गवर्नर डेनी हेक और स्टेट सेक्रेटरी स्टीव हॉब्स सहित कई प्रमुख नेता और गणमान्य अतिथि शामिल हुए। वॉशिंगटन राज्य के सीनेटर और विधायकों ने भी इस उत्सव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अलावा, वॉशिंगटन राज्य में बसे सिख समुदाय के अनेक प्रमुख सदस्यों ने समारोह में भाग लिया और इस पर्व को सामूहिक उत्साह के साथ मनाया।

सीरिया ने दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्री की यात्रा के दौरान उन्हें दिया राजनयिक सम्मान

सियोल, एजेंसी। सियोल के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि सीरिया ने पिछले सप्ताह दक्षिण कोरिया के शीर्ष राजनयिक के साथ औपचारिक संबंध स्थापित करने के लिए उनकी यात्रा के दौरान उन्हें सर्वोच्च राजनयिक शिष्टाचार प्रदान किया। इससे अर्थव्यवस्था, पुनर्निर्माण और अन्य क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के लिए मजबूत प्रतिबद्धता का संकेत मिला। कोरयिा के विदेश मंत्री चो ताए-युल ने राजनयिक संबंधों को औपचारिक रूप देने के लिए पिछले गुरुवार को दमिश्क की यात्रा की, जो एक मील का पत्थर है। यह उत्तर कोरिया को छोड़कर संयुक्त राष्ट्र के प्रत्येक सदस्य देश के साथ औपचारिक संबंध बनाने का सियोल का प्रयास है। चो की यात्रा सीरिया में सुरक्षा स्थिति के कारण गोपनीय तरीके से आयोजित की गई, जहां पूर्व नेता बशर अल-असद की आधी सदी की तानाशाही को उखाड़ फेंकने के बाद एक अंतरिम सरकार ने सत्ता संभाली है। सियोल के एक अधिकारी ने बताया कि अपनी संक्षिप्त यात्रा के दौरान चो को शीर्ष स्तरीय राजनयिक प्रोटोकॉल प्रदान किया गया, जिसमें एक विदेश मंत्री को आमतौर पर प्रदान की जाने वाली सुरक्षा से तीन गुना अधिक सुरक्षा शामिल थी। अधिकारी ने कहा, मंत्री चो का पूरे सम्मान के साथ स्वागत किया गया तथा हवाई अड्डे पर पहुंचने से लेकर लेबनानी सीमा पार करने तक पूरे सुरक्षा काफिले के साथ उनका अनुरक्षण किया गया। द्विपक्षीय वार्ता के बाद, सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शैबानी ने चो और उनके प्रतिनिधिमंडल को आश्चर्यचकित करते हुए उन्हें स्वयं गाड़ी चलाकर राष्ट्रपति भवन ले गए, जहां उन्होंने सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा से शिष्टाचार भेंट की। अधिकारी ने कहा, अरब जगत में किसी गणमान्य व्यक्ति द्वारा स्वयं

गाड़ी चलाना और अतिथि को साथ ले जाना, शिष्टाचार का सर्वोच्च रूप माना जाता है। यह आतिथ्य का एक असाधारण संकेत था। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार चो लेबनान से ज़मीन के रास्ते लौटे और इस्तांबुल से विमान से स्वदेश वापस आए। वे दमिश्क में पांच घंटे तक रहे। वार्ता के दौरान, सीरिया ने दक्षिण कोरिया के तीव्र आर्थिक विकास मॉडल को अपनाने में गहरी रुचि व्यक्त की तथा विकास सहायता, ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी तथा वर्षों से गृह युद्ध से त्रस्त देश के पुनर्निर्माण में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए निकट भविष्य में सियोल में एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल भेजने की इच्छा व्यक्त की। सीरिया ने द्विपक्षीय संबंधों में दक्षिण कोरिया के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाने की भी आशा व्यक्त की तथा कहा कि सियोल अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों को कम करने की दिशा में उसके प्रयासों का समर्थन करेगा। अधिकारी ने कहा, यह नई सीरियाई सरकार के लिए राजनयिक संबंधों की पहली स्थापना है। सीरिया अपने पुनर्निर्माण प्रयासों को आगे बढ़ाने में दक्षिण कोरिया को एक प्रमुख भागीदार के रूप में देखता है, और दोनों पक्षों का मानना है कि दक्षिण कोरियाई कंपनियों के लिए भाग लेने के कई अवसर होंगे। अधिकारी ने कहा कि सीरिया के साथ संबंधों की स्थापना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह अरब राष्ट्र की विदेश नीति में उत्तर कोरिया के साथ उसके पारंपरिक रूप से घनिष्ठ संबंधों से दूर जाने का संकेत भी देता है। उन्होंने कहा, दोनों पक्षों ने यह साझा समझ बनाई है कि नया सीरिया और दक्षिण कोरिया के साथ उसके औपचारिक संबंधों के माध्यम से उसका सहयोग क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में योगदान देगा। अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों ने अभी तक दूतावास खोलने पर चर्चा शुरू नहीं की है, लेकिन दोनों पक्षों को उम्मीद है कि वे आगे चलकर इस मामले को सुलझा लेंगे। फिलहाल, लेबनान में दक्षिण कोरियाई दूतावास अस्थायी रूप से सीरियाई मामलों को संभालने वाले मिशन के रूप में काम करेगा।

ट्रंप प्रशासन को संघीय न्यायालय ने दिया झटका, भारतीय छात्र का वीजा रद्द करने और निर्वासन पर लगाई रोक

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय छात्र का वीजा रद्द करने के मामले में ट्रंप प्रशासन को संघीय न्यायालय ने तगड़ा झटका दिया है। एक संघीय न्यायाधीश ने 21 वर्षीय भारतीय छात्र का वीजा रद्द करने और उसके निर्वासन पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने होमलैंड सुरक्षा विभाग को आदेश पर अमल करने के लिए कहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विस्कॉन्सिन- मैडिसन विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग के छात्र कृष लाल इस्सरदासानी का छात्र वीजा चार अप्रैल को रद्द कर दिया गया था। वे मई में अपनी कंप्यूटर इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने वाले थे। इससे पहले 22 नवंबर 2024 को जब इस्सरदानी अपने दोस्तों के साथ बाहर निकल रहे थे तो दूसरे ग्रुप के साथ उनकी बहस हो गई थी। इसके बाद उनको गिरफ्तार कर लिया गया था। बाद में वे छूट गए थे। इसके बाद वीजा रद्द करने की कार्रवाई की गई। इसे लेकर मैडिसन के वकील शबनम लोटफी ने कोर्ट में अस्थायी प्रतिबंध आदेश के लिए अपील दायर की। वकील ने कहा कि सरकार के छात्र और विनिमय आगंतुक कार्यक्रम

डाटाबेस में इस्सरदासानी का रिकॉर्ड समाप्त कर दिया गया। इस बारे में उन्हें कोई चेतावनी नहीं दी गई, न ही स्पष्टीकरण देने या अपना बचाव करने का अवसर दिया गया। स्श्वङ्कढ्ढस् में उनके स्न-1 छात्र वीजा रिकॉर्ड को समाप्त करने से पहले किसी भी संभावित गलतफहमी को दूर करने का कोई मौका नहीं दिया गया।

मामले की सुनवाई के दौरान डेन काउंटी के जिला अटॉर्नी इस्माइल ओजान ने इस्सरदासानी पर आरोप लगाने से इनकार कर दिया और वह अदालत में पेश नहीं हुए। इसके बाद विस्कॉन्सिन के पश्चिमी जिले के न्यायाधीश विलियम कॉनली ने आदेश देते हुए कहा कि इस्सरदासानी को किसी अपराध का दोषी नहीं ठहराया गया है। गलत तरीके से वीजा समाप्ति के उनके दावे की अदालतों में सफलता की उचित संभावना है। उन्होंने 28 अप्रैल को अगली सुनवाई की तारीख तय की।

वकील लोटफी ने कहा कि यह आदेश उन अंतरराष्ट्रीय छात्र वीजा धारकों के लिए पहली राष्ट्रीय जीत में से एक माना जा रहा है, जिनके रिकॉर्ड समाप्त कर दिए गए थे। देशभर में लगभग 1300 छात्रों ने देखा है कि उनके विनिमय आगंतुक कार्यक्रम रिकॉर्ड अचानक समाप्त कर दिए गए हैं। लोटफी की सहकर्मी वेरोनिका सुस्टिक ने कहा कि हम आभारी हैं कि कानून और न्याय का शासन कायम हुआ है। सरकार ने निर्दोष अंतरराष्ट्रीय छात्रों की अवैध रूप से की गई पढ़ाई समाप्त करने के लिए कोई कानूनी अधिकार उपलब्ध नहीं कराया है और हमें खुशी है कि न्यायालय ने इस पर गौर किया।

राष्ट्रपति पद से हटने के बाद बाइडेन की पहली हुंकार, ट्रंप पर कहा- 100 से कम दिनों में इतना विनाश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पद से हटने के बाद पहली बार जनता के सामने आकर भाषण दिया है और उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके काम करने के तरीके की खुलकर आलोचना की है. बाइडेन ने शिकागो में एक सम्मेलन में कहा, 100 दिनों से भी कम समय में, इस प्रशासन ने इतना नुकसान और इतना विनाश किया है - यह आश्चर्यजनक है कि ऐसा इतनी जल्द हो सकता है. बाइडेन विकलांगता अधिवक्ताओं (डिसेबिलिटी एडवोकेट्स) को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने रिटायरमेंट और विकलांगता बेनिफिट्स का भुगतान करने वाली अमेरिका की राष्ट्रीय एजेंसी का जिक्र करते हुए कहा, उन्होंने (ट्रंप सरकार) सामाजिक सुरक्षा प्रशासन के खिलाफ द्वेषपूर्ण व्यवहार किया है और 7,000 कर्मचारियों को बाहर कर दिया है.

ब्लू सूट- टाई पहने और अमेरिकी झंडे के सामने खड़े होकर, 82 वर्षीय डेमोक्रेट बाइडेन ने लगभग आधे घंटे तक बात की, जिसमें कई बार बढ़ती उम्र के लक्षण दिखाई दिए. इसी वजह से वो इसबार का चुनाव नहीं लड़ पाए थे. टेलीप्रॉम्प्टर से पढ़ते समय वह कुछ वाक्यों में लड़खड़ा गए. राष्ट्रपति ट्रंप ने, बाइडेन पर कटाक्ष करते हुए, सोशल मीडिया पर बिना किसी कमेंट के इसका एक छोटा वीडियो पोस्ट किया.

सामाजिक सुरक्षा बाइडेन का पसंदीदा विषय है. इसपर बात करके वो ट्रंप उनके उग्र बदलाव के प्रयासों की आलोचना कर रहे हैं. उन्होंने एजेंसी में कर्मचारियों की छंटनी की बात की. कहा कि सामाजिक सुरक्षा की वेबसाइट क्रैश हो रही है और रिटायर्ड लोगों को उनके लाभ प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न हो रही है. गौरतलब है कि ट्रंप और उनके अरबपति पार्टनर एलन मस्क ने अपने सरकारी दक्षता विभाग के साथ खर्च कटौती के लिए सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रहे हैं. बाइडेन ने कहा, कई अमेरिकी सचमुच भोजन खरीदने के लिए सामाजिक सुरक्षा पर भरोसा करते हैं, और इन लाभार्थियों में से कई के लिए यह उनकी एकमात्र आय है. अगर इसमें कटौती की गई या छीन ली गई, तो यह लाखों लोगों के लिए विनाशकारी होगा.

शी चिनफिंग का हस्ताक्षरित लेख मलेशियाई मीडिया में प्रकाशित

बीजिंग, एजेंसी। कुआलालंपुर की अपनी मलेशियाई राजकीय यात्रा के दौरान, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मलेशिया के अखबार सिन च्यू डेली, द स्टार और सिनार हरियन में चीन-मलेशिया मैत्री के जहाज को बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर होने दें शीर्षक से एक हस्ताक्षरित लेख प्रकाशित किया। अपने लेख में शी चिनफिंग ने कहा कि चीन और मलेशिया समुद्र पार मित्र पड़ोसी हैं। वे एक साझा भविष्य वाले समुदाय का निर्माण करते हैं, जो सुख-दुःख और सम्मान-अपमान को साझा करता है। समुद्री रेशम मार्ग दोनों देशों के बीच हजारों वर्षों से मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान का साक्षी रहा है तथा इतिहास के विकास के साथ दोनों देशों के बीच पीढ़ियों की मैत्री और भी गहरी होती गई है। दोनों पक्षों को इतिहास की लंबी नदी से रवाना हुए इस मैत्री के जहाज को और अधिक गति तथा आगे का एक स्थिर मार्ग देने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। शी चिनफिंग ने बल देते हुए कहा कि चीन और मलेशिया को रणनीतिक स्टीयरिंग व्हील पर मजबूत पकड़ बनाए रखते हुए रणनीतिक संचार को मजबूत करना चाहिए, राजनीतिक आपसी विश्वास को बढ़ाना चाहिए, दोनों सरकारों की सहयोग योजना को लागू करके संयुक्त रूप से बेल्ट एंड रोड का निर्माण करना चाहिए, विकास रणनीतियों के संरेखण और देश के शासन में अनुभव के आदान-प्रदान को मजबूत करना चाहिए और उच्च स्तरीय रणनीतिक सहयोग के माध्यम से द्विपक्षीय संबंधों के विकास को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि चीन और मलेशिया को सांस्कृतिक आदान-प्रदान की नाव को अच्छी तरह से चलाना चाहिए, रिश्तेदारों से मिलने की तरह एक-दूसरे से अधिक बार मिलना चाहिए,

सभ्यताओं के बीच आपसी सीख को बढ़ावा देना चाहिए और विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच आपसी समझ और मित्रता को बढ़ाना चाहिए। इसके साथ ही, दोनों देशों को बहुपक्षीय सहयोग की नाव के पाल फहराते हुए आगे बढ़ाना चाहिए, शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों और बांडुंग भावना को आगे बढ़ाना चाहिए, संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली और अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की संयुक्त रूप से रक्षा करनी चाहिए, वैश्विक शासन को अधिक न्यायसंगत और उचित दिशा में बढ़ावा देना चाहिए, बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली, वैश्विक औद्योगिक श्रृंखला व आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता तथा खुले व सहकारी अंतर्राष्ट्रीय वातावरण की रक्षा करनी चाहिए। अपने लेख में शी चिनफिंग ने यह भी कहा कि चीन और आसियान देशों के बीच मैत्रीपूर्ण सहयोग समय की कसौटी पर खरा उतरा है और समय के साथ और भी मजबूत हुआ है। चीन आसियान की एकता और आसियान समुदाय के निर्माण का दृढ़ता से समर्थन करता है, क्षेत्रीय संरचना में आसियान की केंद्रीय भूमिका का समर्थन करता है, साल 2025 में आसियान के घूर्णनशील अध्यक्ष के रूप में अपने कर्तव्यों को पूरा करने में मलेशिया का पूरा समर्थन करता है और आशा करता है कि मलेशिया चीन-आसियान संबंधों के समन्वयक के रूप में बेहतर पुल की भूमिका निभाएगा। शी ने कहा कि चीन चीनी शैली के आधुनिकीकरण के साथ एक मजबूत देश के निर्माण और राष्ट्रीय कायाकल्प के महान कार्य को व्यापक रूप से आगे बढ़ा रहा है। चीन मलेशिया और अन्य आसियान देशों के साथ मिलकर शांति और विकास की ऐतिहासिक प्रवृत्ति का पालन करते हुए भू-राजनीति और शिविर टकराव का विरोध करना चाहता है, एकतरफावाद और संरक्षणवाद के प्रतिकूल प्रभाव को तोड़ कर उच्च स्तरीय रणनीतिक चीन-मलेशिया साझा भविष्य वाले समुदाय को आगे बढ़ाना चाहता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत शहर पुलिस द्वारा चार साल से फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर पुलिस ने पिछले चार वर्षों से फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए एक विशेष अभियान चला रखा है। इस अभियान का उद्देश्य पुराने मामलों में वॉन्टेड और लंबे समय से फरार रह रहे आरोपियों को ढूंढकर उन्हें कानून के शिकंजे में लाना है।

इस अभियान के तहत, सूरत शहर पुलिस ने 2024 में करीब 354 और 2025 में 90 ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार किया, जो पिछले 10 वर्षों से फरार थे। पुलिस लगातार इस अभियान को आगे बढ़ा रही है और फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए प्रयत्नशील है।

10 वर्षों से फरार 90 आरोपी गिरफ्तार

खास बात यह है कि इनमें से कई आरोपी वर्षों पुराने अपराधों में शामिल थे, जैसे कि हत्या, लूट, धोखाधड़ी, चोरी और अन्य गंभीर अपराधों में उनकी संलिप्तता रही थी।

वर्ष 2025 के अब तक के रिपोर्ट के अनुसार, सूरत पुलिस ने 90 ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो पिछले 10 वर्षों से भी अधिक समय से फरार थे। इस तरह के मामलों में बहुत समय से फरार आरोपियों को पकड़ना पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती और जटिल कार्य होता है।

समय के साथ इन आरोपियों की पहचान, चेहरे की बनावट, शरीर का आकार, और रहने-सहने का तरीका भी बदल चुका होता है। कुछ मामलों में तो आरोपियों ने अपना नाम, पता और पहचान तक बदल दी होती है,जिससे उनकी तलाश और भी मुश्किल हो जाती है।

अधिकारियों के अनुसार, ऐसे अपराधों में शामिल आरोपियों के रिकॉर्ड का क्रमश: परीक्षण किया जाता है। पुलिस उनके पुराने मामलों की पुन: जांच करती है, औरक्राइम डायरी से उनके पहचान रिकॉर्ड, फ़ोटोग्राफ़्स और गवाहों के बयान के आधार पर नई जानकारी प्राप्त करके उनकी तलाश शुरू करती है।जब पुलिस इन आरोपियों को पकड़ने में सफल होती है, तो अक्सर उनका दिखावा पहले के मुकाबले काफी अलग होता है। पुराने फ़ोटोग्राफ़्स में जो चेहरा होता है, वह वर्तमान चेहरों से मिलाना अक्सर मुश्किल हो जाता है।

नाविक क्लब के अध्यक्ष के भतीजे की चाकू मारकर हत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

डुमस लंगर चोपाटी के पास मंगलवार देर रात नाविक क्लब के अध्यक्ष के भतीजे की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वहीं, इस हमले में अन्य 3 युवकों को भी चाकू मारे गए, जिन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि विवाद की जड़ एक युवती को सोशल मीडिया पर मैसेज भेजने की बात थी, जिसको लेकर आरोपियों और मृतक के बीच झगड़ा हुआ था।

इस हत्या के मामले में डुमस पुलिस ने 2 नाबालिगों समेत कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता मात्र 16 साल का नाबालिग है, जिसने चार लोगों पर चाकू से जानलेवा हमला किया।

हमले में स्टीवन घंटीवाला (27) को गले में चाकू मारा गया, जिससे इलाज मिलने से पहले ही उसकी मौत हो गई। वहीं, रॉबिन खलासी, वंश पटेल और देव खलासी को गंभीर चोटें आईं। स्टीवन की शादी एक साल पहले ही हुई थी।

पुलिस ने इस मामले में जिन लोगों को गिरफ्तार किया है, वे हैं:

अंकित उर्फ राज राठौड़ (22), निवासी- पुरानी कॉलोनी, भीमपुर

श्रवण उर्फ शब्बू राठौड़ (19), निवासी- पुरानी कॉलोनी, भीमपुर

शिव नवीन राठौड़ (21), निवासी- बामनिया कॉलोनी, भीमपुर

ध्रुव जीतू राठौड़ (19), निवासी- बामनिया कॉलोनी, भीमपुर

मुख्य आरोपी 16 वर्षीय नाबालिग

एक और 17 वर्षीय नाबालिग

महिलाएँ सोलह श्रृंगार से सजी और स्टेज पर 4 किलो के झांझर के साथ शानदार नृत्य

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की दो महिला DCP और एक PI ने कथक नृत्य प्रस्तुत किया, जिसमें शांति, शक्ति और समर्पण का संगम था। ये महिलाएँ सोलह श्रृंगार से सजी हुई थीं और स्टेज पर 4 किलो के झांझर के साथ शानदार नृत्य कर रही थीं। यह एक अद्भुत प्रदर्शन था जो उनके साहस और समर्पण को दर्शाता था।

पुलिस विभाग में ड्यूटी करने वाली महिला अधिकारी खाकी वर्दी पहनकर अपराध नियंत्रण में तैनात रहती हैं। लेकिन अब वे स्टेज पर घुंघरू पहनकर नृत्य करते हुए नजर आईं। पालनपुर पाटिया ताडवाड़ी स्थित संस्कार भारती विद्यालय के ऑडिटोरियम में, जहां गुरु धरमशी शाह की जयंती के अवसर पर चशिष्यमालाज कार्यक्रम आयोजित किया गया था, वहां प्रतिष्ठा डांस अकेडमी द्वारा गुरु को नृत्यांजलि अर्पित की गई। खासकर, स्टेज पर एक के बाद एक उतरती सुरत पुलिस की महिला अधिकारियों को देख कर दर्शकों के लिए वह पल अविस्मरणीय बन गए।

स्टेज पर उतरीं दो DCP और एक PI डीसीपी ट्रैफिक अमिता वाणाणी, डीसीपी स्पेशल ब्रांच हेता पटेल और कतारगाम के PI बीजुर भट्ट जब स्टेज पर आईं, तो लोग पहचान नहीं पाए, क्योंकि 365 दिन खाकी वर्दी में रहने वाली महिला अधिकारी सोलह श्रृंगार किए हुए थीं। नृत्य के स्टेज पर जब पूरे शहर में ट्रैफिक नियमों को संभालने वाली डीसीपी अमिता वाणाणी आईं, तो लोग हैरान रह गए। इसी तरह, स्पेशल ब्रांच की हेता पटेल और कतारगाम के PI बीजुर भट्ट ने भी अपने नृत्य से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

डीसीपी अमिता वाणाणी ने कहा कि, किसी भी प्रकार की कला व्यक्ति के दाहिने मस्तिष्क को सक्रिय करती है, जिसके कारण कार्यक्षमता और रचनात्मकता दोनों में वृद्धि होती है। कथक मेरे जीवन में केवल नृत्य नहीं है, यह तनाव को दूर करने का एक शास्त्रीय तरीका है, जिसे हम अपने रोज़मर्रा के पुलिस विभाग के काम में भी लागू करते हैं।

शादी के बाद आज सोलह श्रृंगार के साथ स्टेज पर आईं: डीसीपी हेता पटेल

इस बारे में डीसीपी हेता पटेल ने कहा कि, मेरे शादी के बाद आज मैं सोलह श्रृंगार के साथ स्टेज पर आई हूं। इस कला से जुड़ाव मुझे पूरी तरह से सम्पूर्ण बनाता है। झांझर भाव व्यक्त करने का एक माध्यम है।

कडोदरा GIDC से तीन फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार बिना डिग्री के कर रहे थे प्रैक्टिस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कडोदरा GIDC क्षेत्र से तीन फर्जी डॉक्टरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये सभी बिना किसी मेडिकल डिग्री के डॉक्टर की तरह प्रैक्टिस कर रहे थे और लोगों के जीवन व स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे थे।

पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त कार्रवाई में इन तीनों को पकड़ा गया, जो फर्जी क्लिनिक चला रहे थे और खुद को डॉक्टर बताकर इलाज कर रहे थे। पूछताछ में पता चला है कि इन लोगों के पास कोई वैध मेडिकल प्रमाणपत्र या योग्यता नहीं है, फिर भी ये लंबे समय से मरीजों का इलाज कर रहे थे। इनके खिलाफ IPC की संबंधित धाराओं और मेडिकल काउंसिल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इनका कोई नेटवर्क या अन्य बोगस डॉक्टरों से संपर्क तो नहीं है।

सूरत ग्रामीण एस.ओ.जी. टीम ने कडोदरा GIDC के तातीथैया गांव में एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास कोई मेडिकल डिग्री या मान्य संस्थान का रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र नहीं था।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सौरभ बिस्वास, मिलन बिस्वास और प्रशनजीत सिकदार शामिल हैं। सौरभ बिस्वास ने BA तक की पढ़ाई की थी और वह छह महीने से क्लिनिक चला रहा था। मिलन बिस्वास 10वीं कक्षा पास है और एक साल से क्लिनिक चला रहा था। वहीं, प्रशनजीत सिकदार 12वीं कक्षा पास है और पिछले चार साल से क्लिनिक चला रहा था।

इन तीनों ने अपने गांव में मेडिकल स्टोर और विभिन्न क्लिनिकों में काम करने के अनुभव के आधार पर कडोदरा GIDC में क्लिनिक खोला था। पुलिस ने इनके पास से मेडिकल उपकरण और सामग्रियां भी जब्त की हैं।

इन तीनों के खिलाफ कडोदरा GIDC पुलिस स्टेशन में कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि ये फर्जी डॉक्टर किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा थे या नहीं।

अलथाण और भीमराड में पिछले तीन दिनों से लोगों को गंदे और बदबूदार पीने के पानी की समस्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के पॉश इलाकों अलथाण और भीमराड में पिछले तीन दिनों से लोगों को गंदे और बदबूदार पीने के पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। लोगों के घरों में आने वाला पानी इतना खराब है कि उसमें कीड़े भी तैर रहे हैं। इस इलाके में सफेद, मिट्टी वाला और कीड़ों से भरा पानी आ रहा है, जो पीने तो दूर, उपयोग के लिए भी अनुपयुक्त है। पानी की पाइपलाइन में ड्रेनेज का पानी मिल जाने से यह समस्या उत्पन्न हुई है। लगभग एक लाख से अधिक लोग इस समस्या से परेशान हो रहे हैं।

इस गंभीर समस्या को लेकर तत्काल पानी समिति की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें शासकों ने हाइड्रोलिक और जोन अधिकारियों को चेतावनी दी थी कि यदि 24 घंटे में समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। गंदे पानी से उत्पन्न होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। पानी समिति के अध्यक्ष हिमांशु राउलजी ने कहा कि गर्मी के मौसम में पानी से संबंधित रोग तेजी से फैलते हैं। इसलिए लीक से संबंधित शिकायतों पर 24 घंटे के भीतर कार्रवाई करने के विशेष निर्देश दिए गए हैं। किसी भी क्षेत्र में पाइप टूटने या लीक होने पर तुरंत मरम्मत और पानी के नमूनों का परीक्षण करने की योजना लागू की गई है।

अलथाण और भीमराड इलाके के लोग कहते हैं कि उनके घरों में सफेद पानी, मिट्टी वाला पानी और कीड़ों से भरा गंदा पानी आ रहा है। पीने के पानी की पाइपलाइन में ड्रेनेज का पानी मिल जाने से पानी का रंग बदल गया है और उसमें कीड़े स्पष्ट दिख रहे हैं। कई परिवारों ने तो पानी का उपयोग ही बंद कर दिया है और अब वे दूसरी जगह से पानी लाने का उपाय ढूंढ रहे हैं।

इस गंभीर समस्या के कारण अलथाण, भीमराड, सेंट्रल जोन सहित अन्य क्षेत्रों में रहने वाले लगभग एक लाख से अधिक नागरिक सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कई बार पालिका से शिकायत की, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। अंत में स्थानीय लोगों ने पानी समिति के चेयरमैन हिमांशु राउलजी के समक्ष शिकायत की।

हिमांशु राउलजी ने बताया कि अलथाण-भीमराड क्षेत्र में जीईबी की कार्यवाही के दौरान तीन पाइपलाइनों को नुकसान हुआ था। पाइपलाइन टूटने के कारण उसमें ड्रेनेज का पानी मिलना शुरू हो गया। पालिका द्वारा लाइसेंस प्राप्त ठेकेदारों से इस पाइपलाइन की मरम्मत कराई जाती है, लेकिन काम में देरी होने के कारण स्थिति और बिगड़ गई।

उधारी में कपड़े लेकर पैसे नहीं चुकाए

लिम्बायत के ठग ने व्यापारी को 13 लाख का चूना लगाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिम्बायत इलाके में एक कपड़ा व्यापारी के साथ ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने व्यापारी से उधारी में बड़ी मात्रा में कपड़े लिए और 13 लाख का भुगतान नहीं किया। व्यापारी का आरोप है कि आरोपी ने शुरुआत में भरोसा जीतने के लिए समय पर कुछ पेमेंट किए, लेकिन बाद में धीरे-धीरे बड़े ऑर्डर लेने लगा और पैसे देना बंद कर दिया। जब व्यापारी ने बकाया राशि मांगी तो टालमटोल करता रहा, और बाद में संपर्क तोड़ दिया। इस ठगी की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रिंगरोड के व्यापारी से उधारी में 13.44 लाख का कपड़ा लेकर ठगी करने वाले बेगमपुरा के व्यापारी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज

सूरत के रिंगरोड क्षेत्र के एक कपड़ा व्यापारी के साथ बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। भटार निवासी रंजीत जैन, जो अभिनंदन टेक्सटाइल मार्केट में कपड़े का व्यापार करते हैं, उन्होंने लिंबायत निवासी और बड़ी बेगमवाड़ी में च्ची.के. फैशनज्ज नाम से कपड़े का व्यवसाय करने वाले निर्मल जैन पर ठगी का आरोप लगाया है।

करीब एक साल पहले रंजीतभाई की मुलाकात निर्मल जैन से हुई थी। निर्मल ने खुद को प्रतिष्ठित और समय पर भुगतान करने वाला व्यापारी बताया था। दोनों एक ही समाज से होने के कारण रंजीतभाई ने उस पर विश्वास करते हुए 15 जुलाई 2023 से 3 सितंबर 2024 के बीच निर्मल को 13,43,956 की साड़ियों की आपूर्ति उधारी में की थी।

समय निकल जाने के बाद भी जब भुगतान नहीं हुआ, तो रंजीतभाई ने कई बार पैसे मांगे। शुरू में निर्मल ने बहाने बनाए और फिर अपनी दुकान बंद करके फरार हो गया।

आखिरकार, रंजीतभाई ने सलाबतपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने ठगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सूरत में खटोदरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

97.150 ग्राम एम.डी. ड्रग्स के साथ शख्स गिरफ्तार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 9.71 लाख

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में नशे के कारोबार पर लगाम कसने के लिए पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में खटोदरा पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 97.150 ग्राम एम.डी. ड्रग्स के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान जलालुद्दीन इस्माइल शेख के रूप में हुई है, जो पहले भी ड्रग्स केस में 9 महीने की जेल की सजा काट चुका है और जमानत पर रिहा होने के बाद फिर से नशे के कारोबार में लिप्त हो गया था।

जलालुद्दीन को उधना-मगदल्ला रोड स्थित नवजीवन सर्कल के पास से पकड़ा गया। जब पुलिस ने उसके पास से बरामद पदार्थ का वजन किया तो वह 97.150 ग्राम एम.डी. ड्रग्स निकला, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 9,71,300 आंकी गई है।

प्राथमिक पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह इस ड्रग्स को खुद के सेवन के लिए लाया था, क्योंकि वह स्वयं नशे का आदी है। उसने दावा किया कि वह बेचने की बजाय ज्यादा मात्रा में ड्रग्स खुद के उपयोग के लिए लाता है।

हालांकि, ड्रग्स की भारी मात्रा को देखते हुए पुलिस को शक है कि इसके पीछे किसी बड़े नेटवर्क का हाथ हो सकता है। फिलहाल पुलिस गहन पूछताछ और नेटवर्क की छानबीन कर रही है।

आरोपी पहले लालगेट पुलिस स्टेशन में भी पकड़ा जा चुका है जलालुद्दीन शेख का आपराधिक इतिहास सामने आया है। इससे पहले वह लालगेट पुलिस स्टेशन में भी एम.डी. ड्रग्स के केस में गिरफ्तार हो चुका है, और उस मामले में 9 महीने की जेल की सजा भी काट चुका है। जेल से रिहा हुए सिर्फ तीन महीने ही हुए थे, और इतने कम समय में ही वह फिर से अवैध नशे के धंधे में शामिल हो गया। इससे साफ है कि आरोपी ने पहले की सजा से कोई सबक नहीं लिया और फिर से ड्रग्स की दुनिया में लौट आया है।

सौएब नाम के व्यक्ति से लाई थी एम.डी. ड्रग्स

पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में आरोपी जलालुद्दीन शेख ने खुलासा किया कि उसने यह एम.डी. ड्रग्स एक व्यक्ति नामक सौएब से खरीदी थी।

फिलहाल पुलिस ने सौएब के इनपुट के आधार पर आगे की जांच शुरू कर दी है, और सौएब तक पहुंचने के प्रयास भी तेज़ कर दिए गए हैं।

पुलिस ने जलालुद्दीन शेख के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है और अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सौएब ड्रग्स की सप्लाई कहां से और कैसे करता है, तथा उसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क या गिरोह तो नहीं है।

डीसीपी विजयसिंह गुर्जर ने जानकारी दी कि आरोपी पहले फर्नीचर के काम में मजदूरी करता था। जेल से छूटने के बाद उसने करीब छह महीने तक फर्नीचर का काम किया, लेकिन बाद में उसने फिर से एम.डी. ड्रग्स बेचने का काम शुरू कर दिया।

इतना ही नहीं, आरोपी हर दिन अपने मोबाइल से डाटा डिलीट करता था और व्हाट्सएप के सभी चैट्स भी मिटा देता था, ताकि पुलिस को कोई सुराग न मिले।

पुलिस ने जब उसकी मोपेड की डिक्की की तलाशी ली, तो वहां से एम.डी. ड्रग्स बरामद हुई। अब पुलिस यह भी जांच कर रही है कि जिस व्यक्ति ने आरोपी को यह ड्रग्स दी थी, वह कौन है, और उस तक पहुंचने के प्रयास जारी हैं।